आज का विचार

किसी से मिलते ही कोई फैसला न किया करें। वह भी एक इंसान है परतों में खुलता है।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 9 फरवरी, 2026 | वर्ष 24, अंक 33, मूल्यः 3 रुपए, | पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

भारत-अमेरिका ट्रेड डील ऐतिहासिक, यह भारतीय अर्थव्यवस्था को देगी नई ऊंचाइयां : शिवराज सिंह

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने भोपाल स्थित अपने निवास पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर पत्रकार-वार्ता को संबोधित किया

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुई हालिया ट्रेड डील को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व बताया है। यह समझौता भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति और नई ऊंचाइयां देने वाला साबित होगा।

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान रविवार को भोपाल स्थित निवास पर पत्रकार-वार्ता को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि ट्रेड डील केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक भी है।यह डील भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ उसे नई दिशा प्रदान करेगी। यह समझौता पूरी दुनिया के लिए भी एक स्पष्ट संदेश है। यह डील दुनिया को संदेश देती है कि भारत की नीति कमिटमेंट की है, कॉम्प्रोमाइज की नहीं।

उन्होंने कहा कि हम आत्मविश्वास के साथ देश के हित में निर्णय लेते हैं। भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर संतुलित और सकारात्मक रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। हम सौदेबाजी की राजनीति नहीं करते, बल्कि संतुलित रणनीति अपनाकर सकारात्मक संवाद में विश्वास रखते हैं। यही वजह है कि आज भारत वैश्विक स्तर पर एक भरोसेमंद और मजबूत साझेदार के रूप में उभर रहा है।

प्लोमेसी, डेवलपमेंट और डिग्निटीकेन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह ट्रेड डील डिप्लोमेसी, डेवलपमेंट और डिग्निटी का एक उत्तम उदाहरण है। डिप्लोमेसी का अर्थ है राष्ट्र प्रथम, और इस समझौते में भारत के राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रखे गए हैं। डेवलपमेंट यानी विकसित भारत की दिशा में बढ़ते कदम यह डील उसके लिए भी एक मजबूत आधार प्रदान करती है। डिग्निटी का मतलब है किसान की गरिमा और मुझे गर्व है कि इस समझौते में किसान की गरिमा का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि, भारतीय कृषि और किसानों को लेकर देश के मन में जो भी चिंताएं थीं, उनका इस ट्रेड डील में समाधान किया गया है। यह समझौता हमारे किसानों को पूरी तरह से सुरक्षित रखता है। यह डील केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि नए अवसरों का

द्वार भी खोलती है। यह ट्रेड डील हमारे कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजार में नए अवसर प्रदान करेगी और किसानों की आय बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी।

यही आत्मनिर्भर और विकसित भारत की मजबूत नींव है।मेरिका में भारतीय कृषि उत्पादों पर शून्य शुल्कचौहान ने कहा कि भारतीय किसानों के कई कृषि उत्पादों को अमेरिका में शून्य शुल्क पर निर्यात किया जाएगा। लेकिन अमेरिकी किसानों के कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में यह छूट नहीं मिली है। भारत के कृषि और डेयरी के हित पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कृषि क्षेत्र के कई उत्पादों पर टैरिफ में बड़ी कटौती की है। कई कृषि उत्पादों पर जो टैरिफ पहले 50 प्रतिशत तक था, उसे अमेरिका ने घटाकर शून्य कर दिया है। इसमें मसाले, चाय, कॉफी, नारियल, नारियल तेल, सुपारी, काजू, वनस्पति वैक्स, एवोकाडो, केला, अमरूद, आम, कीवी, पपीता, अनानास, मशरूम और कुछ अनाज भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि, वर्ष 2024-25 में भारत का कृषि निर्यात 4.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। मसाला निर्यात में 88 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अब इस ट्रेड डील के बाद हमारे मसालों को अमेरिका में भी नया और बड़ा बाजार मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत पहले से ही मसालों के वैश्विक बाजार में मजबूत स्थिति रखता है। दुनिया भर के करीब 200 स्थानों पर भारत मसाले और मसालों के उत्पाद निर्यात करता है। इस समझौते से मसालों और अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात को और गति मिलेगी। भारतीय बाजार की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं हुआ है। अगर विदेशी कृषि उत्पाद भारतीय कृषि बाजार में आते हैं, तो उन्हें टैरिफ देना होगा। हमारे किसानों को पूरी छूट और पूरा संरक्षण प्राप्त है। यही इस ट्रेड डील की सबसे बड़ी ताकत है।

भी संवेदनशील वस्तुएं समझौते से बाहरकेन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा है कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील में कृषि और कृषि उत्पादों के मामले में भारतीय किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया गया है और ऐसा कोई भी उत्पाद समझौते में शामिल नहीं है, जिससे किसानों को नुकसान हो। सभी संवेदनशील वस्तुओं को समझौते के बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, चीनी, मोटे अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केला, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल और तंबाकू जैसे उत्पादों पर किसी भी तरह की टैरिफ छूट नहीं दी गई है।उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी चिंता देश के प्रमुख अनाजों को लेकर थी।

पशुपालन को आधुनिक, लाभकारी और टिकाऊ बनाना है सरकार का लक्ष्य : नायब सिंह सैनी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प में पशुपालन क्षेत्र की भूमिका रहेगी महत्वपूर्ण

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ देश तेज गति से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में पशुपालन क्षेत्र की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। दुग्ध उत्पादन, मूल्य संवर्धन, निर्यात संभावनाएं और स्टार्ट-अप संस्कृति में अपार अवसर हैं। प्रदेश सरकार का लक्ष्य पशुपालन को आधुनिक, लाभकारी और टिकाऊ बनाना है। इसी कड़ी में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचा रहे हैं, उन्नत नस्ल संवर्धन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।दुग्ध संग्रहण और विपणन की मजबूत व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही प्रशिक्षण और ऋण सुविधाओं का भी विस्तार भी किया जा रहा है। सरकार का पशुपालकों की आय को बढ़ाना, जोखिम घाटे को कम करना और बाजार तक सीधी पहुंच बनाना प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज कुरुक्षेत्र में आयोजित 41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी समारोह के तीसरे दिन

बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, सांसद श्री नवीन जिंदल, पूर्व मंत्री श्री सुभाष सुधा, चेयरमैन श्री धर्मवीर मिजार्पुर भी साथ रहे। मुख्यमंत्री ने देशी गाय को गुड़ खिलाकर पूजा अर्चना भी की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का निरीक्षण कर पशुओं की विभिन्न नस्लों को देखा और पशुपालकों से बातचीत की। मेले में बनाए कैटवॉक पर अच्छी नस्ल के पशुओं का प्रदर्शन देखा। इस दौरान ऊंट ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का माला पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विभिन्न कैटेगरी में अव्वल आने वाले पशुपालकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह तीन दिवसीय पशुधन प्रदर्शनी हमारी ग्रामीण संस्कृति, पशुधन परंपरा और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ते हमारे संकल्प का जीवंत प्रतीक है। धर्म-कुरुक्षेत्र की यह पावन धरा, जो कर्म, कर्तव्य और संतुलन का संदेश देती है, आज पशुपालन और ग्रामीण समृद्धि के संकल्प की साक्षी बनी है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में इस प्रदर्शनी ने पशुपालकों, किसानों, युवाओं, वैज्ञानिकों और उद्यमियों को एक साझा मंच प्रदान किया। यहां उच्च गुणवत्ता वाले पशुओं की प्रदर्शनी, कैटल शो, आधुनिक तकनीकों की झलक, पशु स्वास्थ्य शिविर, प्रशिक्षण सत्र और नवाचार आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन सभी ने यह सिद्ध किया कि हरियाणा का पशुपालन क्षेत्र परंपरा और प्रगति का सुंदर संगम है। प्रदेश के प्रति व्यक्ति प्रतिदिन दूध उपलब्धता 1 हजार 128 ग्राम है। इसका श्रेय पशुपालक भाई-बहनों को जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पशुपालन केवल आय का साधन नहीं, बल्कि हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हरियाणा की पहचान इसके समर्पित पशुपालकों, उन्नत नस्लों और वैज्ञानिक सोच से बनी है। दूध व दूध से बने उत्पाद, जैव-ऊर्जा, जैविक खाद और ग्रामीण रोजगार का आधार पशुपालन है। स्वस्थ पशु, समृद्ध किसान और सशक्त गांव, यही विकसित भारत- विकसित हरियाणा का रास्ता है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का सबसे बड़ा उद्देश्य पशुपालकों को पशुओं से जुड़ी नवीनतम जानकारी देना, गुणवत्ता का सम्मान करना और नवाचार को बढ़ावा देना है। यहां कैटल शो के माध्यम से श्रेष्ठ नस्लों को पहचान मिली, पशुपालकों का मनोबल बढ़ा और नई पीढ़ी को पशुपालन को सम्मानजनक एवं लाभकारी व्यवसाय के रूप में देखने की नई प्रेरणा मिली है।

केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ के व्यापारियों के लिए अनेक अवसर : मनोहर लाल

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

केन्द्रीय ऊर्जा, आवासन और शहरी विकास कार्य मंत्री मनोहर लाल ने अपने एक दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान कहा कि केन्द्र सरकार के संसद में प्रस्तुत बजट 2026-27 से छत्तीसगढ़ को भी अनेक लाभ होने जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशन अब एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित होंगे। छत्तीसगढ़ का रेलवे बजट ऐतिहासिक रूप से बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपये कर दिया गया है जिससे छत्तीसगढ़ में चल रही 54 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को एक बड़ा बल मिलेगा। छत्तीसगढ़ में माइनिंग कॉरिडोर से निवेश, उद्योग-व्यापार और रोजगार की सम्भावनाओं में वृद्धि होगी।

केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल रविवार को राजधानी में प्रदेश के प्रमुख उद्योगपतियों, व्यापारियों व बुद्धिजीवियों से केन्द्रीय बजट के परिप्रेक्ष्य में आहूत ह्यबजट सम्वादह्व कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में रहने वाली महिलाओं को ह्यशी-मार्टह्व के माध्यम से अपने उत्पाद को न सिर्फ बेचने, बल्कि उसकी ब्राण्डिंग करने और आर्थिक रूप से सशक्त होने में मदद मिलेगी। केन्द्र सरकार ने लगातार व्यापारी हित में अनेक कार्य किए हैं। इनमें टैक्स के कम्प्लाइन्स को कम

करना हो, टैक्स की दरों को कम करना हो, या फिर कई जटिल कानूनों को हटाना हो, केन्द्र सरकार इसमें पीछे नहीं रही है। इस बार भी एमएसएमई सेक्टर में 10 हजार करोड़ रुपये की मदद व्यापारियों के लिए बहुत ही मददगार साबित होगी।

केन्द्रीय मंत्री ने अपने सम्बोधन की शुरूआत में बजट बनाने की प्रक्रिया को लेकर अपने दो बार के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री कार्यकाल के अनुभवों को विस्तार से साझा किया और बताया कि सबसे पहले बजट इस्टीमेट, फिर रिवाइज इस्टीमेट और अंत में सप्लीमेंट्री बजट अलोकेशन होता है। इस बजट अलोकेशन में शुरूआती बजट इस्टीमेट और ओवरआल एक्चुअल अलोकेशन जो होता है, उसमें यदि 90 प्रतिशत राशि कोई विभाग खर्च कर ले, तो यह माना जाता है कि प्रशासनिक व्यवस्था लगभग ठीक चल रही है, योजना का क्रियान्वयन जमीन पर हुआ है। केन्द्रीय मंत्री ने बजट के तीन कर्तव्यों का जिक्र करते हुए कहा कि पहला, बजट में इकॉनॉमिक ग्रोथ के तहत कैपेक्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर बिल्डिंग पर जोर दिया गया है। दूसरा, यह जन-अपेक्षाओं पर खरा उतरने वाला बजट है, और तीसरा कर्त्तव्य सबका साथ-सबका विकास है ताकि सभी समुदायों व वर्गों को संसाधनों का पूरा लाभ मिले।

कार्यक्रम में विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी व मोतीलाल साहू, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुभाष अग्रवाल, आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शिव चन्द्राकर आदि उपस्थिति रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने मलेशिया में भारतीय प्रवासियों से किया संवाद

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मलेशिया में भारतीय प्रवासी समुदाय के विशिष्ट सदस्यों से संवाद किया।इस दौरान उन्होंने मंत्रियों, सांसदों, सीनेटरों तथा आजाद हिंद फौज के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री ने मलेशिया के डिजिटल मंत्री तुआन गोबिंद सिंह देव, मानव संसाधन मंत्री रमनन रामकृष्णन, प्रधानमंत्री विभाग में उप मंत्री तुआन एम. कुलसेगरन तथा राष्ट्रीय एकता के उप मंत्री तुआन आर. युनेसवरन सहित अन्य प्रमुख भारतीय मूल के नेताओं से

बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने मलेशिया के विकास और प्रगति में भारतीय प्रवासी समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय समुदाय भारत-मलेशिया संबंधों को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभा रहा है। प्रवासी भारतीय नेताओं ने भारत और मलेशिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूती देने में प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना की तथा भारत के परिवर्तन से जुड़े उनके दृष्टिकोण और पहलों का समर्थन व्यक्त किया।

इस अवसर पर प्रवासी भारतीय नेताओं ने मलेशिया में भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। इनमें मलेशिया में भारत का पहला वाणिज्य दूतावास खोलने का निर्णय, यूनिवर्सिटी मलाया में तिरुवल्लुवर केंद्र की घोषणा, तिरुवल्लुवर छात्रवृत्तियों की शुरूआत, मलेशिया में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों के लिए ओसीआई कार्ड की सुविधा को छठी पीढ़ी तक विस्तारित करना तथा मलेशियाई भारतीय छात्रों के लाभ के लिए भारतीय छात्रवृत्ति ट्रस्ट फंड में 30 लाख रिंगिट मलेशिया की पुनःपूर्ति शामिल है।

प्रधानमंत्री ने आजाद हिंद फौज की बालक सेना के वरिष्ठ सदस्य जेयराज राजा राव तथा नेताजी वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष रथाकृष्णन से भी मुलाकात की।

केंद्रीय गृह मंत्री ने नक्सल नेटवर्क तोड़ने, आत्मसमर्पण और गांवों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर की चर्चा

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में रविवार को हुई बैठक में वामपंथी उग्रवाद, छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की स्थिति और बस्तर के विकास पर चर्चा हुई। अमित शाह ने कई विभागों की समीक्षा भी की। इस दौरान राज्य और नक्सल प्रभावित प्रदेशों के अधिकारी मौजूद रहे।

नया रायपुर स्थित एक होटल में बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें बस्तर को आदिवासी संभाग बनाने पर भी

चर्चा हुई। इसके अलावा नक्सल नेटवर्क तोड़ने, नक्सलियों का आत्मसमर्पण बढ़ाने, प्रभावित इलाकों में विकास कार्य और इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी चर्चा हुई।

बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो (आईबी) के निदेशक, गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा), केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, आईटीबीपी के अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय जांच एजेंसी के महानिदेशक और छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, झारखंड और तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। शाह ने कहा कि, सिक्योरिटी सेंट्रिक स्ट्रेटजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, नक्सल फाइनेंशियल नेटवर्क पर प्रहार व आत्मसमर्पण नीति के सकारात्मक परिणाम आए हैं और इस 31 मार्च से पहले नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार व छत्तीसगढ़ सरकार किसी पर भी गोली चलाना नहीं चाहती है। सभी माओवादी हथियार डाल दें, उनके लिए हम रेड कार्पेट बछिाकर उनका स्वागत करेंगे।

स्वातंत्र्यवीर सावरकर को भारत रत्न मिला तो उस सम्मान का सम्मान ही बढ़ेगा: डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को मुंबई में कहा कि समान नागरिक संहिता का विचार अच्छा है। विविधता में भी हमारा कोई विरोध नहीं है। यदि समानता से देश की एकता मजबूत होती है तो हमारा उसे समर्थन है। उन्होंने यह भी कहा कि स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न मिला तो उस सम्मान का सम्मान ही बढ़ेगा। संघ प्रमुख डॉ. भागवत आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुंबई में आयोजित ऱ्नए क्षितिजऱ कार्यक्रम के दूसरे दिन के दूसरे सत्र को संबोधित कर रहे थे। संघ प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि समान नागरिक संहिता का विचार अच्छा है। विविधता में भी हमारा कोई विरोध नहीं है। यदि समानता से देश की एकता मजबूत होती है तो हमारा उसे समर्थन है। उसके लिए संघर्ष की स्थिति पैदा न हो। उत्तराखंड राज्य ने समान नागरिक संहिता के संबंध में पहले प्रस्ताव किया, फिर लोगों के सुझाव मांगे, तीन लाख सुझाव आए। उसके बाद उन्होंने कानून बनाया। कानून बन जाना पर्याप्त नहीं है। कानून का पालन होना चाहिए। इस सबके बावजूद हम विविधता में एकता के पक्षधर हैं। हम एक समाज है, हमें अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक मानकर विचार नहीं करना चाहिए। अलग-अलग होने पर हम सब अल्पसंख्यक ही हैं।संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि बुद्ध ने अपने धर्म को भी सनातन धर्म ही कहा है। हिन्दू अपने आप में कोई धर्म नहीं है। सनातन धर्म की दो शाखाएँ-वैदिक धर्म और बौद्ध धर्म हैं। आज जो इस्लाम का स्वरूप दिख रहा है, वह मोहम्मद साहब का इस्लाम नहीं है। आज जो ईसाइयत है, वह ईसा मसीह की ईसाइयत नहीं है। आज का इस्लाम और ईसाइयत उनकी आध्यात्मिक अवधारणा को छोडकर राजनीतिक वर्चस्व के रास्ते पर चल निकले हैं। वे सच्चे इस्लाम और सच्ची ईसाइयत की ओर लौटें, इसकी आवश्यकता है। हिंदू को सबको अपनेपन और शांति की बात करनी है। हिंदू के बारे में बस इतना हो जाए कि इनका कोई बाल-बाँका नहीं कर सकता।उन्होंने कहा कि आज के दौर में कोई एकाकी नहीं रह सकता, अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर डील करनी ही पड़ती है। उसमें कुछ लेना पड़ता है तो कुछ छोडऩा भी पड़ता है। अपने हित में क्या है, इसका ध्यान रखना ही चाहिए। हमें विश्वास है कि वर्तमान समय में उसका ध्यान रखा ही गया होगा। पिछले 10 वर्षों का जो एडमिनिस्ट्रेशन है, वह अड़नेवाला और तन कर खड़ा रहने वाला है। ज्ञान तो सारी दुनिया से आना चाहिए, परंतु जो लेना है, परिक्षण करके लेना चाहिए। बिना अपने देश की आकांक्षा, परंपरा और किसानों के हित को जाने, नया है इसलिए बराबर स्वीकार कर लेना ठीक नहीं। इसलिए हमारा

संवेदनशील होना ठीक है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने से हमारे अच्छे दिन शुरू हुए, ऐसा नहीं है। बल्कि उसका उल्टा है। हम राम मंदिर के पक्ष में खड़े हुए, जो राजनीतिक पक्ष उस पक्ष में खड़े हुए, उसको लाभ हुआ। बाकी दलों के लोग साथ नहीं आए। आपातकाल, गुरूजी जन्मशती, राम मंदिर आंदोलन का आदि के माध्यम से आप सभी के सहयोग और स्वयंसेवकों के पुरूषार्थ से ही हमारे अच्छे दिन आए हैं। उसका लाभ हमारा समर्थन करने वालों को मिला है। कम्युनिस्ट पार्टी का 100 वर्षों में विस्तार नहीं हुआ, यह प्रश्न उनसे पूछना चाहिए। अगर वे हमसे आकर पूछते हैं, तो हम उनका मार्गदर्शन करने को तैयार हैं। सिद्धांतहीन राजनीति चल जाती है, इसलिए चलाते हैं। जब पता चलेगा कि नहीं चलेगी तो वे करना बंद कर देंगे। संस्कृत बोलनी चाहिए, भाषा वही जीवित रहती है, जो चलन में रहती है। जेन जी भी यह समझ रही है कि आइडेंटिटी नाम की एक चीज है। हम नई पीढ़ी को उनकी भाषा में अपनी थाती सौंप सकते हैं क्या? क्या जो हिन्दुत्व हम उन्हें सौंपना चाहते हैं, वह हिन्दुत्व हम समझ चुके हैं। नई पीढ़ी को देने के लिए हमें तैयार होना है। रेव पार्टी के स्थान पर सत्संग पार्टी का चलन शुरू हुआ, यह हमने नहीं किया, सहजता से यह परिवर्तन हुआ।

संघ प्रमुख ने कहा कि फास्डफूड खाने के लिए कोई कानून नहीं लाया गया, तो उसे बैन करने के लिए कानून क्यों लाना चाहिए। फास्डफूड लालच के चलते आया। खुद पर संयम रखकर उससे दूर रहना, यही एक उपाय है। हर काम संघ को ही करना चाहिए, ऐसा नहीं है। चरित्रवान समाज के निर्माण का हमारा काम हम पूरा समय देकर भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं। पेरिस समझौते के वादों को सबसे पहले पूरा करने में भारत सर्वप्रथम है। पर्यावरण के बारे में केवल संघ को विचार नहीं करना है। सारे समाज को विचार करना चाहिए। हालांकि पर्यावरण संरक्षण हमारी गतिविधियों में से एक है। उन्होंने कहा कि संघ चिर तरूण संगठन है। संघ की औसत आयु आज की तारीख में 28 साल है। हम चाहते हैं कि यह 25 साल के भीतर आ जाए। संघ केवल शाखा चलाने का कार्य करता है। संघ कोई गुरूकुल नहीं चलाता, चलाएगा भी नहीं। संघ के स्वयंसेवक गुरुकुल चलाते हैं, समाज के लोग गुरूकुल चलाते हैं तो संघ उनकी सहायता करता है। भारतीय शिक्षण मंडल के माध्यम से देश भर में गुरूकुल आदि का संचालन किया जाता है। सरकार के माध्यम से भी शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन के प्रयास किए जा रहे हैं। वैचारिक और राजनीतिक विरोध के चलते राज्य स्तर पर उसमें अवरोध नहीं पैदा किये जाने चाहिए। ध्येय के लिए आत्मीयतापूर्ण वातावरण से स्व अनुशासन ही संघ के कार्य का आधार है। संघ का कार्य पहुंचाने के लिए संघ के स्वयंसेवक को ही वहां पहुंचना होता है। संघ को समझना है तो परसेप्शन या प्रोपेगेंडा से नहीं खुद के अनुभव के आधार पर समझिए। अपने बारे में, अपनी पहचान के बारे में, अपने देश के बारे में स्पष्ट कल्पना कर सक्रिय हो जाइये, यही मेरा आप सभी से आह्वान है।

मजबूत अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ा भारत बजट विकास का रोडमैप: शेखावत

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था निराशा और अस्थिरता के दौर से निकलकर मजबूत स्थिति में पहुंची है। शिमला में रविवार को बजट 2026 को लेकर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में चौथे स्थान पर खड़ा है और तेजी से तीसरे स्थान की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश भ्रष्टाचार, नीतिगत अनिश्चितता और आर्थिक ठहराव जैसी चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन पिछले वर्षों में लिए गए निर्णायक फैसलों और संरचनात्मक सुधारों ने देश की आर्थिक दिशा बदल दी है। उनके अनुसार बजट 2026 निरंतरता, सुधार और सर्वसमावेशी विकास पर आधारित बजट है, जिसका उद्देश्य स्थिर और मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ आम लोगों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करना है।

शेखावत ने कहा कि सरकार ने बजट में मैन्युफैक्चरिंग, विरासत संरक्षण, एमएसएमई सशक्तिकरण, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरी विकास, सतत विकास और आर्थिक स्थिरता जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने बताया कि इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश को बढ़ाकर लगभग 12.5 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि भारत ने मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जो देश 2014 में मोबाइल निर्माण में सीमित भूमिका निभाता था, वह आज दुनिया के बड़े स्मार्टफोन निमार्ताओं और निर्यातकों में शामिल हो चुका है। बजट में बायोफार्मा, सेमीकंडक्टर मिशन 2.0, क्रिटिकल मिनरल्स, ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल और केमिकल पार्क जैसे भविष्य के क्षेत्रों को भी विशेष प्रोत्साहन दिया गया है, ताकि आने वाले वर्षों में औद्योगिक विकास को नई गति मिल सके।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत करने के लिए 100 करोड़ रुपये का ग्रोथ फंड, टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म के विस्तार और सस्ते ऋण की व्यवस्था की गई है। साथ ही टियर-2 और टियर-3 शहरों को आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने, पर्यटन और विरासत शहरों को सशक्त बनाने तथा शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता महिला सशक्तिकरण, युवा विकास, किसान और गरीब कल्याण है। उनके अनुसार पिछले वर्षों में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और तेजी से बढ़ते मध्यम वर्ग की जरूरतों को पूरा करना भी सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि बजट तैयार करने से पहले युवाओं और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से सुझाव लेकर शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में योजनाएं बनाई गई हैं।

शेखावत ने कहा कि आत्मनिर्भरता और सतत विकास आज राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक मजबूती दोनों के लिए जरूरी हैं। उनके अनुसार बजट 2026 भारत को विकसित, सक्षम, सुरक्षित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी दस्तावेज है।

अनुराग ठाकुर ने किया सीयू के देहरा परिसर का दौरा, निर्माण कार्यों का लिया जायजा

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

लोकसभा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने रविवार को हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएचपी) के कुलपति के साथ विश्वविद्यालय के देहरा परिसर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने परिसर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की और आगामी शैक्षणिक अवसंरचना की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि अधिकांश भवन लगभग पूर्ण हो चुके हैं और उपयोग के लिए लगभग तैयार हैं।

वहीं अधिकारियों को संबोधित करते हुए, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (सीयूपी) के कुलपति ने सूचित किया कि नवनिर्मित भवनों में अगले शैक्षणिक सत्र से शैक्षणिक गतिविधियां शुरू करने की योजना है और प्रशासनिक ब्लॉक को भी शीघ्र ही देहरा परिसर में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जो स्थायी परिसर के पूर्ण संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय ने निरंतर शैक्षणिक पहलों, अनुसंधान योगदानों और छात्र-केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से देश के अग्रणी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अपनी पहचान स्थापित की है, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के साथ प्रभावी तालमेल भी शामिल है, भले ही यह एक अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा हो।

उन्होंने आगे कहा कि पूर्ण विकसित स्थायी परिसर की उपलब्धता विश्वविद्यालय की प्रगति को और गति प्रदान करेगी और उच्च शिक्षा और अनुसंधान में इसके योगदान को मजबूत करेगी। इस मौके पर केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीडब्लूडी) के वरिष्ठ अधिकारी और राज्य सरकार के प्रतिनिधि शामिल थे, जिन्होंने सांसद को निर्माण प्रगति, पूर्णता की समयसीमा और प्रमुख स्थल संबंधी मुद्दों की जानकारी दी। सीडब्लूडी के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि परिसर को मार्च और जून 2026 के बीच चरणबद्ध तरीके से सौंप दिया जाएगा। परिसर के लिए जल आपूर्ति योजना को राज्य सरकार द्वारा पहले ही स्वीकृत कर दिया गया है, जबकि लगभग 10 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली विद्युत आपूर्ति योजना के लिए वित्तीय स्वीकृति अभी भी प्रतीक्षित है और परिसर के परीक्षण, चालू करने और पूर्ण संचालन के लिए बिजली और पानी दोनों की उपलब्धता आवश्यक है। सांसद ने कहा कि परिसर में बिजली और पानी की आपूर्ति राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कांगड़ा के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) को निर्देश दिया कि वे सीयूएचपी परिसर में बिजली आपूर्ति की प्रक्रिया में तेजी लाएं।

500 वर्ष की दहलीज की ओर बढ़ते मंडी नगर की विरासत से जोड़ेगी हेरिटेज वॉक

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव के दौरान मंडी नगर की ऐतिहासिक, सामाजिक और धार्मिक विरासत से आमजन को रूबरू करवाने के उद्देश्य से पहली बार हेरिटेज वॉक आयोजित की जा रही है। यह आयोजन मंडी नगर के 500 वर्ष की ऐतिहासिक दहलीज की ओर बढ़ते गौरवपूर्ण सफर की पृष्ठभूमि में किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शहर की सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान को नजदीक से जानने और समझने का अवसर मिलेगा। अतिरिक्त उपायुक्त गुरसिमर सिंह ने बताया कि हेरिटेज वॉक 15, 17, 18 और 20 फरवरी को आयोजित की जाएगी। यह वॉक प्रतिदिन दो सत्रों में करवाई जाएगी। पहला सत्र प्रातः 10:30 बजे तथा दूसरा सत्र अपराह्न 2:30 बजे आरंभ होगा। हेरिटेज वॉक सेरी मंच से शुरू होकर राजमहल, माधो राय मंदिर, बाबा भूतनाथ मंदिर, पंचवक्त्र मंदिर, हनुमानघाट, खुहारानी मंदिर, अर्धनारीश्वर मंदिर, त्रिलोकीनाथ मंदिर, महामृत्युंजय मंदिर, टारना देवी, बरसील्ले और गणपति मंदिर होते हुए घंटाघर, इंदिरा मार्केट सिद्धकाली मंदिर में संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि वॉक में शामिल होने वाले प्रतिभागियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए छोटी गाड़ी की व्यवस्था भी की गई है। कुछ स्थलों पर पैदल वॉक करवाई जाएगी, जबकि कुछ स्थानों का अवलोकन वाहन के माध्यम से करवाया जाएगा। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि मंडी नगर अपनी स्थापना के 500 वर्ष पूर्ण होने की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है और यह शहर अपनी जीवंत विरासत, प्राचीन मंदिरों, विशिष्ट स्थापत्य कला और समृद्ध आध्यात्मिक परंपराओं को आज भी संजोए हुए है। हेरिटेज वॉक के माध्यम से लोगों को मंडी की सांस्कृतिक धरोहर को नजदीक से देखने और समझने का अवसर मिलेगा। हेरिटेज वॉक में सीमित संख्या में ही प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे, जिसके लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य रखा गया है। पंजीकरण पूरी तरह निशुल्क होगा। इच्छुक व्यक्ति मोबाइल नंबर 9418123001 और 9805373758 पर संपर्क कर पंजीकरण करवा सकते हैं। हेरिटेज वॉक के दौरान साहित्यकार सत्य महेश प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे, जिन्होंने मंडी के मंदिरों और इतिहास पर कई पुस्तकें लिखी हैं।

केंद्रीय बजट 2026-27 विकसित भारत 2047 की मजबूत नींव व देशहित में ऐतिहासिक: जसरोटिया

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

जसरोटा से भाजपा विधायक राजीव जसरोटिया ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी कठुआ कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्रीय बजट 2026-27 को विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में एक दूरदर्शी, समावेशी और भविष्य उन्मुख दस्तावेज बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत की सोच को मजबूती देता है और देश को अगले 21 वर्षों के विकास रोडमैप पर आगे बढ़ाता है।

राजीव जसरोटिया ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में देश ने संरचनात्मक आर्थिक बदलाव देखे हैं और यह बजट उसी दीर्घकालिक यात्रा का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बजट में किसानों, युवाओं, महिलाओं, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और उद्योगों के लिए ठोस प्रावधान किए गए हैं। विधायक ने बताया कि बजट में रेलवे, सड़क, सुरंग, बिजली, मैन्युफैक्चरिंग, नवाचार, स्वास्थ्य और शिक्षा पर विशेष फोकस किया गया है। कैंसर की दवाओं पर शुल्क में राहत, बायोफार्मा को बढ़ावा, स्कूल-कॉलेजों में नई लैब्स और कौशल विकास जैसे कदम आम जनता को सीधा लाभ देंगे।

राजीव जसरोटिया ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लिए यह बजट विशेष रूप से लाभकारी है। उन्होंने बताया कि बजट में बुनियादी ढांचे के विकास, सड़क एवं रेल परियोजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, रोजगार सृजन और पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस किया गया है। इससे न केवल क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए नए अवसर भी सृजित होंगे। जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार क्षेत्र के विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और ब्लॉक से लेकर यूटी स्तर तक विकास कार्य लगातार जारी रहेंगे। पत्रकार वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष उपदेश अंडोत्रा, जिला प्रवक्ता एडवोकेट शशि पाल, अनिल अंडोत्रा, आशोक जसरोटिया सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में बजट 2027 को विकासोन्मुखी और दूरदर्शी बताते हुए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त-समाचार

एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर में एनसीसी कैडेट्स ने दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जम्मू। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर कैडेट्स ने राजस्थान के उदयपुर में आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत शिविर में शानदार प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। इस प्रतिष्ठित शिविर में कैडेट वंश परिहार, कैडेट अवंतिका गुप्ता और कैडेट अर्शिया आनंद ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अकादमिक, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। शिविर के दौरान कैडेट्स ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, तात्कालिक भाषण, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं तथा विभिन्न खेल आयोजनों में भाग लेकर अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का परिचय दिया। विशेष सांस्कृतिक आदान-प्रदान गतिविधि के अंतर्गत पारंपरिक व्यंजन तैयार कर अन्य एनसीसी निदेशालयों के कैडेट्स के साथ साझा किए गए, जिससे भारत की विविध संस्कृति के प्रति आपसी समझ और सौहार्द को बढ़ावा मिला। खेल प्रतियोगिताओं में भी एसएमवीडीयू के कैडेट्स ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। कैडेट वंश परिहार ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में तृतीय स्थान, रस्साकशी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा एंकरिंग के लिए प्रमाण पत्र हासिल किया। वहीं, कैडेट अर्शिया आनंद ने वॉलीबॉल में द्वितीय स्थान और समूह नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कैडेट अवंतिका गुप्ता ने भी समूह नृत्य में प्रथम स्थान हासिल कर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया। शिविर के दौरान कैडेट्स ने उदयपुर और आसपास के प्रमुख ऐतिहासिक व सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण कर राजस्थान की समृद्ध विरासत से भी परिचय प्राप्त किया। यह शिविर कैडेट्स के लिए नेतृत्व कौशल, सांस्कृतिक समझ और राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करने वाला एक प्रेरणादायी और यादगार अनुभव सिद्ध हुआ।

जेबीटी डीएलएड काउंसलिंग का कल से 12 के बीच होगा दूसरा राउंड

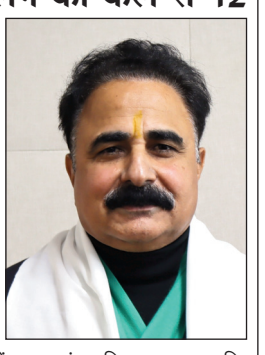

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि जेबीटी डीएलएड काउंसलिंग का द्वितीय चरण 4 फरवरी से 7 फरवरी तक सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न किया गया। इस चरण में कुल 296 सब्सिडाइज्ड तथा 351 नॉन-सब्सिडाइज्ड सीटों पर काउंसलिंग की गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 4 फरवरी को 92, 5 फरवरी को 78, 6 फरवरी को 73 तथा 7 फरवरी को 73 सीटें भरी गईं। इस प्रकार कुल 316 सीटों का आवंटन किया गया, जबकि 331 सीटें अभी शेष हैं। डॉ. शर्मा ने बताया कि द्वितीय चरण को दो राउंड में आयोजित किया गया है। प्रथम राउंड के उपरांत अब शेष रिक्त सीटों को भरने के लिए दूसरा राउंड दिनांक 10 फरवरी से 12 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप शिक्षा बोर्ड युवाओं को शिक्षक प्रशिक्षण के अधिकतम अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि कोई भी पात्र अभ्यर्थी अवसर से वंचित न रहे। काउंसलिंग की पूरी प्रक्रिया मेरिट आधारित, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संचालित की जा रही है। अध्यक्ष ने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे बोर्ड द्वारा जारी आगामी सूचनाओं पर नियमित रूप से नजर रखें, समय-सीमा का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रूप से तैयार रखें। बोर्ड द्वारा काउंसलिंग केंद्रों पर समुचित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं, ताकि अभ्यर्थियों को सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध हो सके।

हिमाचल में दो दिन बारिश-बर्फबारी के आसार अंधड़ और बिजली गिरने का भी अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से मौसम साफ बना हुआ है। लेकिन अब मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के दौरान मौसम बदलने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार 9 फरवरी से एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा। इसके प्रभाव से 9 और 10 फरवरी को प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम खराब रहने के आसार हैं।

मौसम विभाग ने बताया है कि 10 फरवरी को इस सिस्टम का असर अधिक रहेगा और इस दिन कुछ स्थानों पर अंधड़, बिजली गिरने और तेज हवाओं को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले तथा मध्य पर्वतीय इलाकों में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। विभाग का अनुमान है कि 11 फरवरी से मौसम फिर साफ हो जाएगा और 11 से 14 फरवरी तक प्रदेश में शुष्क मौसम बना रहेगा।रविवार को पूरे राज्य में मौसम साफ रहा, हालांकि ठंड का असर अभी भी बना हुआ है। विशेष रूप से जनजातीय और ऊंचाई वाले इलाकों में कड़ाके की सर्दी दर्ज की जा रही है। लाहौल-स्पीति और किन्नौर के कई क्षेत्रों में तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है। कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 13.4 डिग्री सेल्सियस और ताबो में माइनस 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कल्पा में तापमान माइनस 1.0 डिग्री सेल्सियस रहा। अन्य स्थानों की बात करें तो मनाली में 0.7 डिग्री, भुंतर में 2.7 डिग्री, सोलन में 3.0 डिग्री और सुंदरनगर में 3.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। कांगड़ा में 4.7 डिग्री, मंडी में 5.2 डिग्री, धर्मशाला में 5.1 डिग्री और शिमला में 5.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा बिलासपुर में 6.0 डिग्री, जुब्बड़हट्टी में 6.4 डिग्री, ऊना में 6.6 डिग्री, कसौली में 7.2 डिग्री, देहरा गोपीपुर में 7.0 डिग्री, पालमपुर में 8.5 डिग्री, नेरी में 8.9 डिग्री और पांवटा साहिब में 9.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दो दिनों में बादल छाने और बारिश-बर्फबारी की गतिविधियों से तापमान में हल्की गिरावट आ सकती है, जिससे ठंड का असर और बढ़ेगा। हालांकि 11 फरवरी के बाद मौसम साफ होने के साथ दिन के तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है।

सत शर्मा और राजेश बग्गा ने गुरु रविदास को श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू-कश्मीर स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अनुसूचित जाति (एससी) मोर्चा ने सप्ताह भर चलने वाले ह्लरविदास जयंती सप्ताहह्व कार्यक्रमों के समापन के अवसर पर जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में संत गुरु रविदास जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा, पंजाब भाजपा उपाध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, चंडीगढ़ और कर्नाटक के गुरु रविदास जयंती कार्यक्रमों के प्रभारी राजेश बग्गा, भाजपा उपाध्यक्ष और डीडीसी अध्यक्ष भरत भूषण, भाजपा महासचिव संजीता डोगरा, बलदेव सिंह बिल्लावारिया और गोपाल महाजन तथा भाजपा एससी मोर्चा अध्यक्ष धर्मिंदर कुमार ने महान संत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कार्यक्रम को संबोधित किया।

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सत शर्मा ने कहा कि संत गुरु रविदास जी की शिक्षाएं करुणा, समानता और निस्वार्थ सेवा को बढ़ावा देकर मानवता के लिए मार्गदर्शक बनी हुई हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गुरु रविदास जी द्वारा परिकल्पित बेगमपुरा मॉडल को वैश्विक मान्यता प्राप्त है और समाज को सद्भाव और सामाजिक न्याय की इस दृष्टि को अपनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि प्रधानमंत्री की नीतियां भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

कहा- अगले बजट पर केंद्रित करे सरकार अपनी ऊर्जा को

राज्य सरकार ने 'व्यवस्था परिवर्तन' के नाम पर आर्थिक बदहाली की ओर धकेला हिमाचल प्रदेश को: जय राम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने अपने कांगड़ा प्रवास के दूसरे दिन रविवार को नगरोटा बगवां विधानसभा क्षेत्र के बाबा बड़ोह और देहरा मंडल में भाजपा पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं, जिसमें उन्होंने संगठन की मजबूती और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से मंथन करने के साथ-साथ वर्तमान कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़े प्रहार किए। उन्होंने प्रदेश की बिगड़ती राजनीतिक और वित्तीय स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सीधे तौर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के 'व्यवस्था परिवर्तन' के नारे को एक खोखला मॉडल करार दिया और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की केवल 'सब कुछ बंद करने और बदलने' की जिद ने आज हिमाचल को इस दयनीय मोड़ पर खड़ा कर दिया है।

जयराम ठाकुर ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अपनी प्रशासनिक विफलताओं और गलत निर्णयों का ठीकरा अब केंद्र सरकार के बजट पर फोड़ने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं, जबकि उन्हें अपनी ऊर्जा अगले माह पेश होने वाले प्रदेश के बजट पर केंद्रित करनी चाहिए। उन्होंने जनता को आगाह किया कि सरकार अपनी नाकामियों का बोझ आम आदमी पर डालने की तैयारी में है, क्योंकि एक तरफ चहेते मित्रों को कैबिनेट रैंक बांटकर सरकारी खजाने को खाली किया गया और अब उसी घाटे की भरपाई के लिए जनता पर भारी भरकम टैक्स थोपने की जुगत भिड़ाई जा रही है। बजट से पहले ही 'बजट का रोना' रोना मुख्यमंत्री की भविष्य की विफलताओं की पूर्व-तैयारी है, जो यह दर्शाता है कि सरकार के पास विकास का कोई रोडमैप नहीं है।

इस दौरान नगरोटा में पूर्व विधायक अरुण कुमार कुक्का और देहरा में भाजपा पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ के कार्यक्रम में पूर्व विधायक होशियार सिंह और कर्मचारी नेता घनश्याम शर्मा भी साथ रहे। उन्होंने स्थानीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में कार्यकताओं को एकजुट होकर सरकार की जनविरोधी नीतियों को बेनकाब करने का आह्वान किया।

वहीं भारतीय जनता पार्टी पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ, हिमाचल प्रदेश के देहरा में आयोजित अभ्यास वर्ग में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को संबोधित करते हुए वर्तमान सुक्खू सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार कर्मचारी-विरोधी और प्रदेश-विरोधी नीतियों पर काम कर रही है, जिससे पूरे प्रदेश के कर्मचारियों में गहरा असंतोष व्याप्त है।जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार आज प्रदेश की वित्तीय स्थिति का रोना रो रही है लेकिन प्रदेश की संपदा अपने मित्रों पर लगातार लुटाए जा रही है। क्या मुख्यमंत्री को प्रदेश की वित्तीय हालत की जानकारी नहीं थी। तीन साल से ज्यादा समय तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते हुए अगर उन्हें प्रदेश के वित्तीय स्थिति की जानकारी नहीं थी और वह अपनी गारंटीयों को पूरा करने का आश्वासन दे रहे थे तो यह स्थिति बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार घायल, चालक मौके से फरार

शिमला। प्रदेश में सड़क हादसों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस लगातार लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील कर रही है, लेकिन तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण दुर्घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसा ही एक मामला शिमला जिला के सुन्नी क्षेत्र में सामने आया है। शिकायतकर्ता सौरभ के अनुसार वह 7 फरवरी की शाम करीब 7:40 बजे तत्तापानी से अपने घर की ओर मोटरसाइकिल पर जा रहे थे। जब वह तत्तापानी पुल के पास पहुंचे तो सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह पुल पर गिरकर घायल हो गए, जबकि कार चालक मौके से फरार हो गया। बाद में जांच के दौरान वाहन चालक की पहचान नवल किशोर, निवासी पांगी (जिला किन्नौर) के रूप में हुई है। घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया और पुलिस ने वाहन की जानकारी जुटाकर कार्रवाई शुरू की। इस संबंध में बीएनएस की धारा 281 व 125() बीएनएस, 187 मोटर वाहन अधिनियम में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

सरकार ने भारत की जनगणना 2027 के लिए हाउस लिस्टिंग और आवास जनगणना के लिए व्यापक निर्देश जारी किए

फाइनेंशियल कमिश्नर, रेवेन्यू और आपदा प्रबंधन विभाग और जनगणना 2027 के लिए राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुमिता मिश्रा ने अधिसूचना जारी की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने भारत की जनगणना 2027 के संबंध में हाउस लिस्टिंग और आवास जनगणना के दौरान डेटा इकट्ठा करने के दायरे और प्रक्रिया को बताते हुए एक विस्तृत अधिसूचना जारी की है।

यह अधिसूचना फाइनेंशियल कमिश्नर, रेवेन्यू और आपदा प्रबंधन विभाग और जनगणना 2027 के लिए राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुमिता मिश्रा ने जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 8 की उप-धारा (1) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए जारी किया है। जनगणना 2027 दो चरणों में की जाएगी, पहला चरण यानी हाउस लिस्टिंग और आवास जनगणना और दूसरा चरण यानी जनसंख्या गणना।

उन्होंने बताया कि जनगणना के पहले चरण के लिए मोबाइल ऐप, जनगणना प्रबंधन और निगरानी पोर्टल और सेल्फ एन्यूमरेशन पोर्टल विकसित किए गए हैं।

नोटिफिकेशन के अनुसार, जनगणना अधिनियम के तहत नियुक्त सभी जनगणना अधिकारियों को अपने-अपने स्थानीय अधिकार क्षेत्र में, हाउस लिस्टिंग चरण के दौरान निर्धारित जनगणना शेड्यूल के माध्यम से सभी व्यक्तियों से विस्तृत जानकारी इकट्ठा करने का अधिकार है। यह हाउस लिस्टिंग और आवास जनगणना, जनगणना 2027 के हिस्से के रूप में की जाने वाली जनसंख्या गणना के लिए आधार का काम करेगी।

एकत्रित किए जाने वाले डेटा में पहचान की जानकारी शामिल होगी जैसे कि नगर निगम या स्थानीय अधिकारियों द्वारा दिया गया भवन नंबर या जनगणना नंबर, जनगणना घर नंबर और परिवार नंबर। जनगणना घर के फर्श, दीवारों और छत के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मुख्य सामग्री, घर का मुख्य उपयोग, उसकी भौतिक स्थिति और स्वामित्व की स्थिति के बारे में भी जानकारी इकट्ठा की जाएगी। जनगणना अधिकारी परिवार के विशेष कब्जे वाले रहने वाले कमरों की संख्या भी रिकॉर्ड करेंगे।

परिवार की संरचना से संबंधित विवरण में परिवार में सामान्य रूप से रहने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या, परिवार के मुखिया का नाम और लिंग, क्या मुखिया अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य श्रेणियों से संबंधित है, और परिवार में रहने वाले विवाहित जोड़ों की संख्या शामिल होगी।

हाउस लिस्टिंग अभ्यास में बुनियादी सुविधाओं और रहने की स्थितियों के बारे में भी व्यापक जानकारी इकट्ठा की जाएगी। इसमें पीने के पानी का मुख्य स्रोत और उपलब्धता, रोशनी का स्रोत, स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच और शौचालय का प्रकार, गंदे पानी के निपटान की व्यवस्था, और नहाने और रसोई की सुविधाओं की उपलब्धता शामिल होगी। एलपीजी या पीएनजी कनेक्शन और खाना पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मुख्य ईंधन के बारे में भी जानकारी रिकॉर्ड की जाएगी।

बदलते लाइफस्टाइल और बढ़ते डिजिटल इस्तेमाल को देखते हुए, नोटिफिकेशन में घरों की संपत्ति और कनेक्टिविटी के बारे में डेटा इकट्ठा करने का प्रावधान है। इसमें रेडियो या ट्रांजिस्टर, टेलीविजन, इंटरनेट सुविधा, लैपटॉप या कंप्यूटर, और टेलीफोन, मोबाइल फोन या स्मार्टफोन का मालिकाना हक या इस्तेमाल शामिल है। साइकिल, स्कूटर, मोटरसाइकिल, मोपेड और कार, जीप या वैन जैसे ट्रांसपोर्ट के साधनों की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी इकट्ठा की जाएगी। इसके अलावा, घर में खाए जाने वाले मुख्य अनाज के बारे में भी जानकारी रिकॉर्ड की जाएगी।

शहीद इंस्पेक्टर के परिवार के एक सदस्य को नौकरी, घायलों को दी जाएगी एक-एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता : नायब सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि शहीद इंस्पेक्टर के परिवार के एक सदस्य को नौकरी, घायलों को एक-एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी और घायलों के अच्छे अस्पताल में इलाज का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद के सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में झूला टूटने से हुए दुखद हादसे पर हरियाणा के गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कुरुक्षेत्र से घटना पर तुरंत संज्ञान लेते हुए मृतक एवं घायलों के लिए राहत और सहायता संबंधी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सूरजकुंड मेले में हुई दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक है। हादसे में शहीद हुए पुलिसकर्मी इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में शहीद के परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। शहीद इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की तैनाती पलवल के थाना चांदहट में थी। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि शहीद पुलिसकर्मी के परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी, ताकि परिवार को भविष्य में किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े।मुख्यमंत्री ने घायलों के स्वास्थ्य की स्थिति की समीक्षा करते हुए जानकारी दी कि सुप्रीम अस्पताल में भर्ती 8 घायलों में से 4 मरीजों को उपचार के बाद डिस्चार्ज किया जा चुका है, जबकि शेष 4 का इलाज जारी है और डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। इसके अतिरिक्त बीके सिविल अस्पताल में भर्ती 4 घायलों को भी उपचार उपरांत छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने घोषणा की कि गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को राज्य सरकार की ओर से एक-एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही अन्य घायलों को भी नियमानुसार सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि दोबारा ऐसी घटना ना हो।

41वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी में 8 चैंपियनों के पशुपालकों को मिला 20 लाख का पुरस्कार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- 298 विजेताओं को सरकार की तरफ से दी गई 50 लाख 20 हजार 600 रुपए की इनाम राशि

41वीं राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अलग-अलग नस्ल मेल व फीमेल चैम्पियनशिप में 8 पशुपालकों को कुल 20 लाख रुपए की इनाम राशि दी है। इन पशुपालकों को अपने-अपने वर्ग के लिए 2.50 -2.50 लाख रुपए का चेक दिया गया है। अहम पहलू यह है कि राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी में कुल 53 वर्गों में 298 विजेताओं को कुल 50 लाख 20 हजार 600 रुपए की राशि वितरित की गई है।

हरियाणा के पशुपालन विभाग के महानिदेशक डा. प्रेम सिंह ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि मुर्रा नस्ल मेल चैम्पियनशिप में पानीपत के गांव बूरसम निवासी नरेंद्र सिंह, मुर्रा नस्ल फीमेल चैम्पियनशिप में हिसार के गांव सिंघवा खास निवासी ईश्वर सिंह की मुर्रा नस्ल की भैंस को चैम्पियन पुरस्कार दिया गया। इन दोनों पशुपालकों को इनाम के रूप में 2.50- 2.50 लाख रुपए की राशि का चेक दिया गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा नस्ल मेल चैम्पियनशिप में पानीपत के गांव डिडवानी निवासी नरेंद्र की हरियाणा नस्ल के सांड ने चैम्पियन पुरस्कार हासिल किया है।इस पशुपालक को इनाम के रूप में 2 लाख 50 हजार रुपए का चेक दिया गया है। इसी तरह हरियाणा नस्ल फीमेल चैम्पियनशिप में झज्जर के गांव गवालीसन निवासी अनूप की हरियाणा नस्ल गाय चैम्पियन रही, साहीवाल नस्ल मेल चैम्पियनशिप में करनाल के तरावड़ी निवासी अनुज का साहीवाल बैल चैम्पियन रहा। इसी प्रतियोगिता के फीमेल वर्ग में करनाल के दादूपुर रोडान निवासी राजबीर की साहीवाल नस्ल की गाय चैम्पियन रही।

संत किसी एक जाति या धर्म के नहीं, पूरे समाज के होते हैं : कृष्णपाल गुर्जर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने पलवल के शमशाबाद में गुरु रविदास जयंती पर बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा का अनावरण किया

केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि संत किसी एक जाति अथवा धर्म के नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज के होते हैं। संत समाज को प्रेम, सद्भावना और भाईचारे के सूत्र में बांधकर एक साथ आगे बढ़ने का संदेश देते हैं। श्री कृष्णपाल गुर्जर रविवार को पलवल के शमशाबाद स्थित बाबू जगजीवन राम पार्क में बाबू जगजीवन राम दलित उत्थान ट्रस्ट (रजि.) के तत्वावधान में आयोजित संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती समारोह में जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय राज्यमंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर ने पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया तथा संत शिरोमणि गुरु रविदास के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करते हुए गुरु रविदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं देकर कहा कि भारत की भूमि युगों से संत-महापुरुषों की रही है। संत गुरु रविदास जी ने अपने विचारों और कर्मों से समाज सुधार की धारा को नई दिशा दी। उन्होंने जाति-पाति, ऊंच-नीच और भेदभाव को समाप्त करने का संदेश दिया। उन्होंने गुरु रविदास जी के प्रसिद्ध कथन मन चंगा तो कठौती में गंगा का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि मन और कर्म पवित्र हों, तो किसी भी प्रकार का भेदभाव स्वतः समाप्त हो जाता है।

इस अवसर पर श्री गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाएं बिना किसी जाति या वर्ग भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि गरीबों को मुफ्त राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, हर घर नल से जल, उज्ज्वला योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाएं गुरु रविदास जी के विचारों का ही प्रतिरूप हैं।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने आयोजकों द्वारा रखी गई मांगों को पूर्ण करवाने का आश्वासन देते हुए कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास भवन के निर्माण एवं जीर्णोद्धार के लिए जितनी भी धनराशि की आवश्यकता होगी, उसे उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे भवन पूरे समाज के लिए उपयोगी होते हैं।

इस अवसर पर समाज की ओर से केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर सहित अन्य गणमान्य अतिथियों का फूलमालाएं पहनाकर और पगड़ी बांधकर परंपरागत तरीके से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री गुर्जर का जन्मदिन केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

सांसद नवीन जिन्दल ने किया राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी का निरीक्षण, नवाचारों की सराहना भी की

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा सरकार के पशुपालन विभाग द्वारा कुरुक्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी में रविवार को सांसद नवीन जिन्दल ने अपने संबोधन के बाद, विभिन्न स्टॉल्स और प्रदर्शनियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पशुपालन, खेती-किसानी, पशु चिकित्सा, दवाइयों और नवीन तकनीकों से संबंधित स्टॉल्स का अवलोकन किया तथा इनके बारे में विस्तार से जानकारी ली। सांसद नवीन जिन्दल ने मेले में लगाए गए पशु उद्योग, कृषि नवाचार और तकनीकी समाधान प्रस्तुत करने वाले स्टॉल्स की सराहना करते हुए इस मेले को हरियाणा सरकार का एक सराहनीय कदम बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन पशुपालकों और किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने के साथ-साथ उनकी आय बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होते हैं।निरीक्षण के दौरान सांसद नवीन जिन्दल ने पशुपालकों को देसी नस्ल के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रोत्साहित किया तथा प्राकृतिक खेती को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि परंपरागत ज्ञान और आधुनिक तकनीक का समन्वय ही पशुपालन और कृषि क्षेत्र का भविष्य है। सांसद नवीन जिन्दल ने मेले में भाग ले रहे पशुपालकों, नवाचार प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों और आयोजन से जुड़े अधिकारियों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज के समय में पशुपालन क्षेत्र में नई तकनीकों का उपयोग अत्यंत आवश्यक है, जिससे उत्पादन बढ़े और किसानों को बेहतर लाभ मिल सके।

इस अवसर पर उन्होंने आयोजकों के प्रयासों की भी सराहना की और कहा कि ऐसे राज्यस्तरीय आयोजन पशुपालकों के लिए अनुभव साझा करने और नई संभावनाओं को समझने का सशक्त माध्यम बनते हैं। उल्लेखनीय है कि सांसद नवीन जिन्दल को इस राज्यस्तरीय पशु मेले का अवलोकन धर्मवीर मिजार्पुर द्वारा करवाया गया।

केयू फिल्म एसोसिएशन की वार्षिक बजट बैठक संपन्न

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत केयू फिल्म एसोसिएशन की सत्र 2025-26 की वार्षिक बजट बैठक कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कमेटी रूम में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत पिछली वार्षिक बजट बैठक (20 मार्च 2025) में लिए गए निर्णयों की कार्यवाही रिपोर्ट की समीक्षा से हुई। इसके बाद 20 मार्च 2025 को आयोजित बैठक की मिनट्स की पुष्टि की गई।

बैठक में में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रंगमंच और फिल्म निर्माण की गहराई से परिचित कराने के उद्देश्य से चार दिवसीय थिएटर व डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण कार्यशाला आयोजित करने का प्रस्ताव रखा गया।

बैठक में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रतिभाओं को निखारने के लिए केयू फिल्म एसोसिएशन के माध्यम से विभिन्न कार्यशालाएं भविष्य में आयोजित की जाएंगी ताकि विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़े और उन्हें भविष्य में करियर के बेहतर अवसर मिल सकें।

मुख्य एजेंडा के अंतर्गत सत्र 2025-26 के लिए केयू फिल्म एसोसिएशन के बजट अनुमानों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और सभी सदस्यों ने एसोसिएशन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर चौधरी, प्राक्टर प्रो. अनिल गुप्ता, युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला, प्राचार्या प्रो. रीटा, प्रो. अनिता दुआ, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, प्रो. कुसुमलता, डॉ. गुरचरण सिंह, श्रवण गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सॉफ्ट स्किल्स ही भविष्य के नेतृत्व की असली ताकत: प्रो. राकेश कुमार

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- कुवि में पांच दिवसीय सॉफ्ट स्किल्स कार्यशाला का सफल समापन

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (यूएसएम) द्वारा कंटिन्युअस एजुकेशन केंद्र (सीईसी 2.0) के सहयोग से तथा केयूके सीईसी प्रोजेक्ट सोसाइटी के अंतर्गत आयोजित ह्लभविष्य के नेताओं के निर्माण के लिए सॉफ्ट स्किल्सह्व विषयक पांच दिवसीय सॉफ्ट स्किल्स कार्यशाला का पांचवां एवं अंतिम दिन वेलेडिक्ट्री सत्र के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यशाला के समापन सत्र में मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और आत्मविश्वास जैसी सॉफ्ट स्किल्स पेशेवर सफलता की आधारशिला हैं। उन्होंने कार्यशाला के दौरान अपनाई गई व्यावहारिक शिक्षण पद्धति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यक्षेत्र के लिए तैयार करते हैं।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रो. वनीता ढींगरा, समन्वयक, कंटिन्युअस एजुकेशन केंद्र ने प्रतिभागियों के उत्साह और सक्रिय सहभागिता की प्रशंसा की तथा उन्हें निरंतर सीखते रहने और स्वयं को समय के अनुरूप ढालने के लिए प्रेरित किया। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए। कार्यशाला का आयोजन प्रो. अनिल कुमार मित्तल, अध्यक्ष, यूएसएम के मार्गदर्शन में किया गया, जबकि डॉ. सलोनी पी. दिवान (कार्यशाला समन्वयक) एवं डॉ. उत्कर्ष मंगल (सह-समन्वयक) की देखरेख में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित किया गया।

नवीन जिन्दल ने चतुर्वेद परायण महायज्ञ में दी आहुति स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का किया आह्वान

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

महर्षि दयानंद जयंती एवं स्वामी श्रद्धानंद बलिदान शताब्दी वर्ष के अवसर पर कुरुक्षेत्र स्थित ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर 1 से 12 फरवरी तक आयोजित 12 दिवसीय चतुर्वेद परायण महायज्ञ में रविवार को सांसद नवीन जिन्दल ने यज्ञ में आहुति दी तथा उपस्थित श्रद्धालुओं से भेंट की। यह आध्यात्मिक आयोजन वेद विद्या शोध संस्थान कुरुक्षेत्र द्वारा करवाया जा रहा है।

इस अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल ने सभी श्रद्धालुओं से समाज के उज्जवल, समरस एवं समेकित भविष्य के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती और स्वामी श्रद्धानंद ने समाज से जातिवाद, अंधविश्वास और छुआछूत जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष किया, जिनके आदर्श आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं।

महायज्ञ के दौरान स्वामी संपूर्णानंद ने सांसद को स्वामी ब्रह्मानंद के जीवन और कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन करवाया। साथ ही प्राकृतिक खान-पान से संबंधित स्टॉल्स की जानकारी भी दी, जहां सांसद नवीन जिन्दल ने प्राकृतिक भोजन ग्रहण किया।

इस अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल ने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि शरीर रूपी मंदिर का हमें ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने सभी वर्गों से योग और व्यायाम के लिए जागरूकता फैलाने और इस दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

उल्लेखनीय है कि ब्रह्मसरोवर तट पर आयोजित यह चतुर्वेद परायण महायज्ञ 12 फरवरी तक निरंतर जारी रहेगा, जिसमें देशभर से श्रद्धालु एवं विद्वानजन सहभागिता कर रहे हैं।

संक्षिप्त-समाचार

कुवि बना 39वें नॉर्थ सेंट्रल जोन एआईयू युवा महोत्सव में ओवरऑल प्रथम रनर-अप चैम्पियन

कुरुक्षेत्र। एमएम यूनिवर्सिटी, मुलाना में 03 से 07 फरवरी 2026 तक आयोजित 39वें नॉर्थ सेंट्रल जोन एआईयू युवा महोत्सव में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में कुल 12 उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किए। शानदार सामूहिक प्रदर्शन के आधार पर विश्वविद्यालय ने ओवरऑल प्रथम रनरअप ट्रॉफी अपने नाम की। इस उपलब्धि पर कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए विद्यार्थियों, प्रशिक्षकों एवं संबंधित महाविद्यालयों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन, टीमवर्क और निरंतर अभ्यास का परिणाम है तथा विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। संगीत वर्ग में वेस्टर्न वोकल सोलो एवं क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो (पी) में पाँचवां स्थान, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंटल सोलो (एनपी) में द्वितीय स्थान, वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल सोलो में प्रथम स्थान, वेस्टर्न ग्रुप सॉन्ग में चौथा स्थान, इंडियन ग्रुप सॉन्ग में तृतीय स्थान तथा फोक ऑर्केस्ट्रा में चौथा स्थान प्राप्त किया। नृत्य वर्ग में क्रिएटिव कोरियोग्राफी में तृतीय स्थान, क्लासिकल डांस सोलो में चौथा स्थान तथा फोक ट्राइबल डांस में प्रथम स्थान हासिल किया। विश्वविद्यालय ने नृत्य विधा में ओवल आल ट्रॉफी जीती और उसी के साथ थिएटर विधा में भी ओवरऑल ट्रॉफी जीती। थिएटर वर्ग में वन एक्ट प्ले और स्किट में प्रथम स्थान, माइम में पाँचवां स्थान तथा मिमिक्री में तृतीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय को थिएटर ओवरऑल ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। साहित्यिक प्रतियोगिताओं में क्विज में पाँचवां स्थान, इंग्लिश डिबेट में प्रथम स्थान तथा हिंदी एलोक्यूशन में प्रथम स्थान हासिल किया गया। ललित कला वर्ग में क्ले मॉडलिंग में प्रथम स्थान, रंगोली में पाँचवां स्थान तथा पोस्टर मेकिंग में पाँचवां स्थान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त प्रोसेशन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि में आर्य कॉलेज, पानीपत; एसडी कॉलेज, अंबाला कैंट; तथा यूटीडी फाइन आर्ट्स विभाग के विद्यार्थियों का सक्रिय योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान डीवाईएसीए निदेशक डॉ. विवेक चावला, उपनिदेशक डॉ. सलोनी दीवान, डॉ. रामनिवास, डॉ. नीलू, डॉ. हरविंदर राणा (टीम मैनेजर), डॉ. ऋषिपाल (प्रेसिडेंट, केयूसीसी) तथा डॉ. अकरम भी उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

फरीदाबाद के सूरजकुंड मेले में दिखाई दे रहा मिनी दुनिया का नजारा

चंडीगढ़। फरीदाबाद में चल रहे 39वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले में 'मिनी दुनिया' का मनोरम नजारा देखने को मिल रहा है। मेले के अंतरराष्ट्रीय पवेलियन में पड़ोसी देशों के शिल्पकारों द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें भूटान के स्टॉल दर्शकों और खरीदारों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस स्टॉल पर भूटान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और वहां के कारीगरों की कुशलता देखी जा रही है।इस स्टॉल पर उपलब्ध हाथ के बुने हुए बैग अपनी बारीक कारीगरी और चटकीले रंगों के कारण महिलाओं के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। ये बैग न केवल टिकाऊ हैं, बल्कि भूटानी परंपरा को आधुनिक फैशन के साथ जोड़ते हैं। इसके साथ ही लकड़ी और बांस की नक्काशी से तैयार पारंपरिक प्लेट और बर्तन अपनी अनूठी बनावट के लिए कला प्रेमियों को खूब लुभा रहे हैं। स्टॉल पर घर की सुंदरता बढ़ाने के लिए हाथ से तैयार किए गए शो - पीस और वॉल हैंगिंग उपलब्ध हैं, जो भूटानी वास्तुकला की एक खूबसूरत बानगी प्रस्तुत करते हैं। स्टॉल की एक और खासियत वहां मिलने वाली हस्तनिर्मित सुगंधित अगरबत्तियां हैं। प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से तैयार इन अगरबत्तियों की भीनी - भीनी खुशबू पूरे पवेलियन को महका रही है। भूटानी स्टॉल की संचालक थिनले कोडन ने बताया कि मेले में पर्यटकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। पयर्टक स्टॉल पर आकर भूटान की संस्कृति और हस्तशिल्प की बारीकियों को जानने में भी गहरी रुचि दिखा रहे हैं और उनके उत्पादों को खरीद रहे हैं।

शिक्षा के सशक्त आधार से ही बनेगा विकसित भारत: राव नरबीर सिंह

चंडीगढ़। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प पथ पर शिक्षा एक अहम कड़ी है। इसी को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर परिवर्तनकारी प्रयास कर रही है, ताकि मजबूत शैक्षिक आधार के साथ देश की प्रगति और अधिक सुदृढ़ हो सके। कैबिनेट मंत्री रविवार को गुरुग्राम के डीपीजी कॉलेज के वार्षिकोत्सव ह्यसारंगह्ल में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पूर्व डिप्टी स्पीकर गोपीचंद गहलोत भी मौजूद रहे। राव नरबीर सिंह ने कहा कि जब हरियाणा का गठन हुआ, तब गुरुग्राम और विशेषकर दक्षिण हरियाणा को विकास की दृष्टि से पिछड़ा माना जाता था। समय के साथ औद्योगिकीकरण और रियल एस्टेट में हुए निवेश ने गुरुग्राम को वैश्विक पहचान दिलाई है। हालांकि, शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर करने की आवश्यकता को समझते हुए भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने 2014 से अब तक कई निर्णायक कदम उठाए हैं। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि गुरुग्राम विश्वविद्यालय उन्हीं दूरदर्शी प्रयासों का साकार रूप है, जो क्षेत्र में उच्च शिक्षा को नई दिशा प्रदान कर रहा है।

मनरेगा में किए गए बदलाव मजदूर और किसानों के हित में : हरविंदर कल्याण

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित राष्ट्र के विजन के लिए जरूरी है कि राष्ट्र का हर व्यक्ति आत्मनिर्भर हो। उन्होंने कहा कि धरातल पर गांवों को मजबूत करना जरूरी है। गांव देश की तरक्की का अद्धर हैं। श्री हरविंदर कल्याण आज करनाल के घरौंडा हलके के गांव फुरलक और बसताड़ा के आरपीआईआईटी कॉलेज में आयोजित जी राम जी सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का मानना है कि राष्ट्र की तरक्की के लिए आवश्यक है, मजदूरों के हाथों में काम हो और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं की स्थिति मजबूत बने। इसी कड़ी में मनरेगा में बदलाव करके किसानों एवं मजदूरों के हक में इसे वीबी-जी राम जी किया गया है।

संपादकीय

इंडिया-यूएस ट्रेड डील: भारत के लिए सुनहरा मौका या अंतर्राष्ट्रीय कानून की नई चुनौती?

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को महज एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के रूप में देखना इसके व्यापक प्रभावों को नजरअंदाज करने जैसा होगा। यह समझौता वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन, बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था के कमजोर पड़ने और अंतर्राष्ट्रीय कानून के बदलते स्वरूप से गहराई से जुड़ा है। ऐसे दौर में, जब विश्व व्यापार संगठन की प्रासंगिकता पर सवाल उठ रहे हैं और शक्तिशाली देश द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों के जरिए अपने हित साधने में लगे हैं, इंडिया-यूएस ट्रेड डील भारत के लिए एक साथ अवसर भी है और गंभीर चुनौती भी। पिछले एक दशक में भारत और अमेरिका के व्यापारिक रिश्तों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। आज अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है, जबकि भारत अमेरिकी कंपनियों के लिए एक विशाल उपभोक्ता बाजार, तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था और रणनीतिक निवेश गंतव्य के रूप में देखा जा रहा है। रक्षा, तकनीक, ऊर्जा और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ा है। इसके बावजूद व्यापार संबंध पूरी तरह सहज नहीं हैं। कृषि उत्पादों और डेयरी आयात, डेटा लोकलाइजेशन, डिजिटल टैक्स, बौद्धिक संपदा अधिकार और श्रम मानकों जैसे मुद्दों पर दोनों देशों के बीच लंबे समय से मतभेद बने हुए हैं। प्रस्तावित ट्रेड डील इन्हीं विवादित मुद्दों के समाधान की कोशिश के रूप में सामने आई है।अंतर्राष्ट्रीय कानून के संदर्भ में यह समझौता कई अहम सवाल खड़े करता है। विश्व व्यापार संगठन की स्थापना इस उद्देश्य से की गई थी कि वैश्विक व्यापार एक समान नियमों और पारदर्शी व्यवस्था के तहत चले। इसके मूल सिद्धांत 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' और 'नेशनल ट्रीटमेंट' यह सुनिश्चित करते हैं कि किसी एक देश को दी गई व्यापारिक रियायतें अन्य सदस्य देशों के साथ भेदभाव न करें। हालांकि विश्व व्यापार संगठन नियमों में क्षेत्रीय और द्विपक्षीय समझौतों के लिए अपवाद भी दिए गए हैं, लेकिन शर्त यह है कि ऐसे समझौते व्यापार को अधिक उदार बनाएं और तीसरे देशों के हितों को नुकसान न पहुंचाएं। ऐसे में इंडिया-यूएस ट्रेड डील की कानूनी संरचना और उसके प्रावधान अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून की कसौटी पर लगातार परखे जाएंगे। भारत की सबसे बड़ी चिंता कृषि और डेयरी क्षेत्र को लेकर है। अमेरिका लंबे समय से चाहता रहा है कि भारत अपने बाजार को उसके कृषि उत्पादों और डेयरी वस्तुओं के लिए खोले। लेकिन भारत में कृषि केवल एक आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा से जुड़ा विषय है। छोटे और सीमांत किसानों की आय, ग्रामीण रोजगार और सामाजिक स्थिरता इस क्षेत्र से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है। अंतर्राष्ट्रीय कानून भी विकासशील देशों को अपने संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा के लिए विशेष और विभेदित व्यवहार का अधिकार देता है। भारत अब तक इन्हीं प्रावधानों के सहारे अपने किसानों के हितों की रक्षा करता आया है और भविष्य में भी इससे पीछे हटना उसके लिए आसान नहीं होगा। डिजिटल व्यापार और डेटा संरक्षण इस प्रस्तावित डील का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है। अमेरिका डेटा के मुक्त प्रवाह को वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी मानता है, जबकि भारत डेटा संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की गोपनीयता को प्राथमिकता देता है। भारत का मानना है कि देश के नागरिकों का डेटा देश के भीतर सुरक्षित रहना चाहिए, ताकि उसका दुरुपयोग न हो। अंतर्राष्ट्रीय कानून अभी डिजिटल व्यापार के लिए कोई सर्वमान्य और स्पष्ट ढांचा तैयार नहीं कर पाया है। इसी खालीपन का लाभ उठाते हुए कई देश द्विपक्षीय समझौतों के जरिए अपने-अपने नियम तय करने की कोशिश कर रहे हैं। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह डिजिटल क्षेत्र में निवेश और नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए अपने संवैधानिक और कानूनी दायित्वों से समझौता न करे। बौद्धिक संपदा अधिकार का मुद्दा भी इंडिया-यूएस ट्रेड डील में टकराव का एक बड़ा बिंदु रहा है। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने पेटेंट कानूनों को और सख्त बनाए, ताकि अमेरिकी दवा और तकनीकी कंपनियों के हित सुरक्षित रह सकें। वहीं भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य, सस्ती जेनेरिक दवाओं और विकासशील देशों की जरूरतों को प्राथमिकता देता है। ट्रिप्स समझौते के तहत विकासशील देशों को कुछ लचीलापन दिया गया है, जिसका उपयोग भारत ने एचआईवी, कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों की सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए किया है। यदि प्रस्तावित ट्रेड डील में ट्रिप्स से आगे जाकर कठोर शर्तें लगाई जाती हैं, तो यह अंतर्राष्ट्रीय कानून और भारत की घरेलू नीतियों के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर सकता है।रणनीतिक नजरिए से यह ट्रेड डील केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक महत्व भी रखती है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच अमेरिका भारत को एक अहम रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है। क्वाड जैसे मंचों पर बढ़ता सहयोग इसी सोच को दर्शाता है। ऐसे में व्यापार समझौता दोनों देशों के रणनीतिक रिश्तों को और मजबूती दे सकता है। लेकिन भारत के लिए यह जरूरी है कि वह किसी भी आर्थिक या व्यापारिक समझौते के जरिए अपनी रणनीतिक स्वायत्तता और स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता न करे।अब तक भारत का रुख संतुलित और व्यावहारिक रहा है। वह बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था का समर्थन करता है, लेकिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों में द्विपक्षीय समझौतों को अवसर के रूप में भी देखता है। इंडिया-यूएस ट्रेड डील के मामले में भी भारत चरणबद्ध और सीमित समझौते के पक्ष में नजर आता है, ताकि संवेदनशील मुद्दों पर व्यापक सहमति के बिना जल्दबाजी न हो और घरेलू हित सुरक्षित रह सकें।अंततः इंडिया-यूएस ट्रेड डील की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के अनुरूप कितनी पारदर्शी, संतुलित और न्यायसंगत होती है। भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह संभावित आर्थिक लाभ के साथ-साथ किसानों, उपभोक्ताओं, डिजिटल अधिकारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करे। यदि यह संतुलन साधा गया, तो यह ट्रेड डील भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई दे सकती है। लेकिन यदि घरेलू सरोकारों और कानूनी सीमाओं की अनदेखी हुई, तो यही समझौता भविष्य में असंतोष, विवाद और कानूनी चुनौतियों का कारण भी बन सकता है।

संसदीय व्यवधान के विकल्प

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

संसद की गरिमा के प्रश्न स्थाई भाव बन रहे हैं। संसद देश काल का दर्पण होती है। यह केवल बजट पास करने या कानून बनाने का ही संवैधानिक निकाय नहीं होती। सदन की गरिमा और मयार्दा बहुधा तार-तार हो रही है। संसद की गरिमा को उच्च स्तर पर बनाए रखने का कर्तव्य सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का है। उत्तरदायित्व का निर्वहन शोर-शराबे से नहीं होता। कांग्रेस दीर्घकाल तक सत्ता में रही है। देश की संसदीय राजनीतिक संस्कृति को विकसित करने की जिम्मेदारी कांग्रेस की ही रही है। लेकिन विपक्षी दल की भूमिका में कांग्रेस वैचारिक विकल्प नहीं दे पाई। दुनिया भर के संसदीय जनतंत्रों में सत्ता पक्ष का विकल्प देने की जिम्मेदारी विपक्ष की होती है। सदन में अचानक किसी मुद्दे पर उबाल आ जाना बड़ी बात नहीं है। तीखी नोकझोंक भी संभव है। लेकिन योजना बनाकर सदन के भीतर उत्पात करना किसी भी दशा में उचित नहीं कहा जा सकता। भारतीय संसद में बहुत कुछ अप्रिय घटित हो रहा है। ऐसा उत्पात सदन की मयार्दा का हनन है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि, 'कांग्रेस के सांसद किसी अप्रत्याशित घटना को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम देना चाहते थे।' बिरला ने कहा कि उन्होंने नेता सदन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सतर्क किया था कि ऐसी कोई बड़ी घटना संभव थी। बिरला ने यह भी कहा कि अभी बुधवार को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने जैसा व्यवहार किया वैसा लोकसभा की शुरुआत से लेकर आज तक कभी नहीं हुआ। यद्यपि कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष के दावे को झूठ बताया है। लेकिन मूलभूत प्रश्न है कि प्रधानमंत्री के आसन के सामने तीन महिला सदस्यों का खड़े होना किस दृष्टि से संसदीय है। लोकसभा अध्यक्ष के अनुसार उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनुरोध किया था कि वे सदन में न आएं।

18वीं संसद में प्रेरक घटनाएं नहीं दिखाई पड़ती। विपक्ष अपने संसदीय दायित्वों के निर्वाहन में सफल नहीं रहा। व्यवधान और शोर बार-बार के स्थगन और संसदीय शब्दों का प्रयोग लगातार हो रहा है। राष्ट्रीय विमर्श के प्रश्न बहस का मुद्दा नहीं बन पाए। वैकल्पिक विषयों पर सदन के पटल पर विकल्प देना, विकल्प के क्रियान्वयन के लिए सुझाव देना विपक्ष की जिम्मेदारी है। यूरोपीय संसदीय राजनीति के विद्वान हेराल्ड लास्की ने विपक्ष के तीन कर्तव्य बताए थे। पहला टू प्रपोज दि गवर्नमेंट-सुझाव देना। दूसरा टू अपोज दि गवर्नमेंट-राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक विरोध करना और तीसरा विकल्प देने के लिए तैयार रहना-टू डिपोज दि गवर्नमेंट। ब्रिटिश संसदीय परंपरा में विपक्ष को 'गवर्नमेंट इन वेटिंग' कहा जाता है। लेकिन यहां शोर और स्थगन ही विपक्ष के हथियार बन गए हैं।

संसद के विशेषाधिकार महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री सदन का नेता होता है। नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी कम नहीं होती। सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए उसे सरकार की नीतियों की आलोचना करनी चाहिए। उस आलोचना का आधार होना चाहिए। सदन में प्रयुक्त की जाने वाली भाषा संसदीय व्यवहार का प्रमुख हिस्सा है। अपशब्द विचार प्रकट करने का सही माध्यम नहीं होते। अपशब्दों का प्रयोग संसदीय कर्तव्य के आदर्श निर्वाहन का विकल्प नहीं होता। लेकिन यहां प्रधानमंत्री के आसन के समक्ष खड़े होकर शोर मचाना, महिला सांसदों का आसन को घेर कर खड़े होना जैसे प्रसंग रोजमर्रा की कार्यवाही का हिस्सा बन रहे हैं।

प्रधानमंत्री के विरुद्ध किसी अनहोनी के सम्बंध में बिरला का रहस्योद्घाटन गंभीर प्रकृति का है। यह छोटी-मोटी घटना नहीं है। योजना बनाकर संसद की कार्यवाही को किसी भी रूप में प्रभावित करने की इच्छा भी खतरनाक है। यह सदन के विशेषाधिकार का भी उल्लंघन है। लोकसभा अध्यक्ष को घटना के सभी तथ्यों की जानकारी है। इसलिए ऐसे गंभीर मुद्दे पर विशेषाधिकार के अवमान की कार्यवाही होनी चाहिए।

यद्यपि ब्रिटिश संसद को संसदीय मामलों में लोकतंत्र की जननी कहा जाता है, लेकिन ब्रिटिश संसद के जन्म के बहुत पहले भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं थीं। लुडविग जैसे विद्वानों ने वैदिक काल में ही भारत की संसदीय संस्थाओं का उल्लेख किया है। सभा और समितियां ऋग्वेद में हैं। अथर्ववेद में हैं। महाभारत में हैं। वैदिक साहित्य में सभा के सदस्य सभासद कहलाते थे। जो सभेय थे, सभा में सुंदर बोलते थे, वे सभ्य कहे जाते थे। उत्तर वैदिक काल और पुराणों के समय भिन्न-भिन्न जनहितकारी विषयों पर विचार गोष्ठियां होती थीं। भाषा में मधुरता थी। आचार और विचार मर्यादित थे। लेकिन आधुनिक भारत की संसद तमाम प्रतिभाओं के बावजूद मर्यादित रूप में नहीं चलती। संसदीय कार्यवाही प्रेरित नहीं करती। यह हताश और निराश करती है।

संविधान सभा की कार्यवाही लंबे समय तक चली थी। सभा में पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. आम्बेडकर, कमलापति त्रिपाठी, विशंभर दयालु त्रिपाठी, मौलाना हजरत मोहानी, हरि विष्णु कामथ, हृदयनाथ कुंजूरू, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे विद्वान सदस्य थे। इस लंबी कार्यवाही में कहीं कोई कटुता नहीं दिखाई पड़ी। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सभा की अध्यक्षता कर रहे थे। संविधान सभा ने देश को एक राज व्यवस्था दी। राष्ट्रवादी मूल और आदर्श दिए लेकिन आश्चर्य है कि ऐसी परंपराओं के उत्तराधिकारी होकर भी हम अपनी संसद को सुव्यवस्थित नहीं चला पा रहे हैं। दुर्भाग्य का विषय है कि प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के पास नीतियों के स्तर पर कोई विकल्प नहीं है। शोर स्थाई भाव है।

सदन राष्ट्रीय विमर्श के संवैधानिक मंच हैं। विपक्ष को तथ्य और तर्क सहित चर्चा करनी चाहिए। मूलभूत प्रश्न है कि प्रश्नों का उद्देश्य क्या है? क्या लोकतंत्र की मजबूती हंगामे से ही संभव है। क्या शोर शराबा और हंगामा ही बहस का उपकरण हो सकते हैं। लोकसभा के मंच से लगातार विपक्ष द्वारा यही कहा जा रहा है कि हंगामा हथियार हो गया है। विपक्ष के पास तथ्य नहीं है। विपक्ष को लगता है कि विपक्ष के पास तथ्य और तर्क से ज्यादा हंगामा और नारेबाजी के उपकरण ही हैं। विपक्ष सरकार को घेरने के अलावा और किसी लक्ष्य से प्रेरित नहीं है। वह राष्ट्रीय आवश्यकता की रणनीति पर कम और हंगामा द्वारा राजनीतिक बढ़त लेने का हथियार ज्यादा है। सदन में अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर कम से कम विपक्ष से अपेक्षा की जा सकती है कि वह उत्तरदायी बने। प्रश्न पूछे। विकल्प दे। सुझाव रखे। सरकार को जवाबदेह बनाए। विपक्ष का यह भी कर्तव्य है कि वह सदन को हंगामे का मंच न बनाएं। वैकल्पिक विचार दे और संसदीय कार्यवाही को राष्ट्रहितैषी बनाए।

संप्रभुता अभद्र नहीं होती। संसद सर्वोच्च संप्रभु संस्था है। विधि निर्मात्री है, संविधान संशोधन के अधिकार से भी लैस है। राज्यों के विधानमण्डल इसी की प्रतिछाया हैं, लेकिन संसद और विधानमण्डल स्वयं अपनी बनाई कार्यसंचालन नियमावली का अनुपालन नहीं करा पाते। राष्ट्र क्षुब्ध है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलने के प्रबल योग हैं। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए दिन लाभकारी रहेगा और संपत्ति से संबंधित मामलों में भी सकारात्मक संकेत मिलेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे, हालांकि आराम और विलासिता की चीजों पर खर्च बढ़ सकता है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। छोटे-छोटे खर्चों को लेकर मन थोड़ा विचलित हो सकता है। व्यापारियों को नए सौदे या अनुबंध करने पड़ सकते हैं। नकारात्मक सोच वाले लोगों से दूरी बनाए रखें। मित्रों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: कार्यक्षेत्र में काम का दबाव अधिक रहेगा, लेकिन व्यवसाय से जुड़े लोगों की आमदनी बढ़ सकती है। पारिवारिक सामंजस्य अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में चल रहा तनाव कम होगा। अपनी बातों और तर्कों से आप दूसरों को प्रभावित करने में सफल रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: परिवार के सदस्यों के साथ व्यवहार में संयम रखें। व्यापार में कुछ तकनीकी या प्रशासनिक दिक्कतें आ सकती हैं। बदलते मौसम के कारण स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च करते समय संतुलन बनाए रखें, मानसिक बेचैनी महसूस हो सकती है। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: आज आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है। शेयर बाजार या निवेश से अपेक्षित लाभ मिलने के संकेत हैं। कार्यों को जल्दी निपटाने की कोशिश करेंगे। प्रेम संबंधों में भावनात्मकता बढ़ेगी। नौकरी में बेहतर प्रदर्शन के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: घर-परिवार का माहौल सुखद रहेगा। युवा वर्ग करियर को लेकर गंभीर और केंद्रित रहेंगे। अनुभवी और सम्मानित लोगों का मार्गदर्शन मिल सकता है। किसी परिजन पर धन खर्च संभव है। अपनी योजनाएं अभी गोपनीय रखें, वाणी में कठोरता से बचें। *(सिटी दर्पण)*

तुला: आज किसी सम्मान या पुरस्कार की प्राप्ति हो सकती है। दोपहर के बाद परिस्थितियां आपके पक्ष में आने लगेंगी। पहले लिए गए फैसले आज लाभ दिला सकते हैं। छोटे स्तर पर किया गया व्यापार फायदे का सौदा साबित होगा, हालांकि दूसरों पर निर्भरता बढ़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: विदेश से जुड़े व्यापार में कुछ अड़चनें आ सकती हैं। स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रह सकता है। उच्च अधिकारियों से मतभेद की स्थिति बन सकती है। जीवनसाथी के साथ समय बिताना जरूरी रहेगा। नींद से जुड़ी समस्या परेशान कर सकती है। *(सिटी दर्पण)*

धनु: कार्यक्षेत्र में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और लोग आपके सुझावों को महत्व देंगे। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि रहेगी। मित्रों के साथ समय आनंददायक रहेगा। ऑनलाइन शॉपिंग या डिजिटल प्लेटफॉर्म से अच्छे ऑफर्स का लाभ मिल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: जिस काम की शुरूआत करेंगे, उसे समय पर पूरा करने में सफल रहेंगे। विदेश से नौकरी या करियर से जुड़े प्रस्ताव मिल सकते हैं। व्यापार के लिए नई रणनीति बनानी होगी। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिल सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: अपने विचारों पर आप दृढ़ रहेंगे। व्यापार में धन लाभ के अच्छे अवसर सामने आएंगे। स्पष्ट और खुलकर बोलने के कारण कुछ लोग नाराज हो सकते हैं। घर में मेहमानों का आगमन संभव है। छिपे हुए विरोधियों से सतर्क रहें। *(सिटी दर्पण)*

मीन: पुराने कर्ज या लोन से जुड़ी चिंता परेशान कर सकती है। विरोधियों को हल्के में न लें। विवादित विषयों पर चर्चा से बचना बेहतर रहेगा। जिद्दी रवैये के कारण कुछ लोग नाराज हो सकते हैं, इसलिए क्रोध और आवेश पर नियंत्रण रखें। *(सिटी दर्पण)*

त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी केन्द्रीय बजट

डॉ. महेन्द्र सिंह (हि.स)

केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए संसद में पेश किया गया बजट देश के त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी बजट है। इस बजट में समाहित प्रस्तावों में आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने और उसे निरन्तर बनाये रखने पर जोर दिया गया है। साथ ही, लोककल्याण के लिए बजट प्रस्तावों पर भी पर्याप्त बल दिया गया है। वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में तीन कर्तव्यों को उजागर किया। ये हैं : (i) अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों के प्रति लचीलेपन में वृद्धि करते हुए आर्थिक विकास को गति प्रदान करना और उसे बनाये रखना; (ii) जन आकाँक्षाओं की पूर्ति और उनकी क्षमताओं का वर्द्धन करना एवं (iii) देश के प्रत्येक परिवार, समुदाय, क्षेत्र और वर्ग तक संसाधनों, सुविधाओं तथा अवसरों की पहुंच को सुनिश्चित करना।

इस तरह ये कर्तव्य मोदी सरकार की सर्वसमावेशी एवं पोषणीय विकास की रणनीति को सुस्पष्ट रूप में परिभाषित करते हैं। ध्यातव्य है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के केन्द्र में एक ओर आर्थिक संवृद्धि की गति को तेज करना रहा है वहीं दूसरी तरफ सापेक्षतया वंचित लोगों एवं क्षेत्रों को उनकी क्षमता व सामर्थ्य को बढ़ाते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा में शामिल करना रहा है। इस दृष्टि से यह कहना समीचीन है कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का ध्येय वाक्य लोकनीतियों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन का नाभिकेन्द्र रहा है। इसमें आर्थिक समृद्धि एवं लोककल्याण में वृद्धि स्वतः विहित रहे हैं।

मोदी सरकार द्वारा संरचनात्मक आर्थिक सुधारों का मूल विचार 'रिफार्म, परफार्म व ट्रॉन्सफार्म' रहा है। इस बजट में भी, बजट प्रावधानों को अधिक परिणामोन्मुखी बनाने के लिए सुधारों के क्रम को जारी रखा गया है। 'विकसित भारत' के महालक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस बजट में कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था, मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र, एमएसएमई, ओडीओपी, रिन्यूबल व न्यूक्लियर एनर्जी, सेमिकंडक्टर, आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स, जलमार्ग व रेल विकास, डिकार्बनाइजेशन, निर्यात संवर्द्धन, रक्षा क्षेत्र इत्यादि संभावनापूर्ण क्षेत्रों एवं तत्सम्बन्धी क्रियाओं के संवर्द्धन व विकास के लिए वित्तमंत्री द्वारा प्राथमिकता के आधार पर अपेक्षित आवंटन किए गये हैं। साथ ही, मानव पूँजी के निर्माण से सम्बन्धित क्षेत्रों यथा शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला, युवा और दिव्यांग सशक्तीकरण पर पर्याप्त बल दिया गया है। वस्तुतः मानव पूँजी के बेहतर विकास से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा जनकल्याण में वृद्धि होगी।

वित्तमंत्री ने इस बजट में राजकोषीय सुदृढ़ीकरण को जारी रखते हुए इस पर विशेष बल दिया है। हाल के वर्षों में जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा में निरन्तर गिरावट से इस बात की पुष्टि होती है कि मोदी सरकार का राजकोषीय प्रबन्धन सम्बन्धी निष्पादन श्लाधनीय रहा है। वर्ष 2021-22 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 6.7 प्रतिशत; 2022-24 में 6.5 प्रतिशत 2023-24 में 5.5 प्रतिशत; 2024-25 में 4.8 प्रतिशत एवं 2025-26 में 4.4 प्रतिशत था। इसे 2026-27 के बजट में कम करके 4.3 प्रतिशत पर रख गया है। ये प्रवृत्तियाँ राजकोषीय व्यवस्था की मजबूती की परिचायक हैं।

मोदी सरकार की राजकोषीय प्रवीणता एवं बेहतर वित्तीय प्रबंधन का ही परिणाम है कि जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा निरन्तर घटा है। साथ ही, वित्तमंत्री इस बात में भी सफल रही हैं कि उन्होंने इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष केन्द्र सरकार के ऋण को 55.6 प्रतिशत पर रखा है। यह वर्ष 2025-26 के लिए 56.1 प्रतिशत रखा गया था। साथ ही, इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष राजस्व घाटा एवं प्राथमिक घाटा में भी कमी आई है। घटते घाटे एवं ऋण से निजी पूँजी निवेश में वृद्धि होगी।

इस बजट में, राजस्व में सतत वृद्धि; पूँजीगत व्यय में वृद्धि और राजकोषीय पारदर्शिता में सुधार के संकेतकों से भी देश की राजकोषीय सुदृढ़ता की पुष्टि होती है। पूँजीगत खर्च के जरिये अवस्थापना क्षेत्र के विकास ने विकास को तेज करने और रोजगार को बढ़ाने में उल्लेखनीय तौर पर योगदान दिया है। इंफ्रास्ट्रक्चर आर्थिक विकास में धमनियों का कार्य करता है। इसलिए यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर मोदी सरकार द्वारा किया गया निवेश लगातार विकास का इंजन बना हुआ है। एक ओर जहाँ केन्द्र सरकार स्वयं पूंजीगत व्यय को बढ़ा रही है; वहीं दूसरी ओर राज्य सरकारों को भी अनुदान व ऋण देकर उनके पूँजीगत खर्च को बढ़ाने में मदद कर रही है।

वर्ष 2025-26 की तुलना में 2026-27 के बजट में पूँजीगत आवंटन में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यदि राज्यों को दी जाने वाली अनुदान राशि को भी जोड़ लिया जाय तब प्रभावी पूँजीगत व्यय की वृद्धि 22 प्रतिशत बैठती है। इस तरह मोदी सरकार की यह विचारणा सुस्पष्ट होती है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर की मजबूती आर्थिक उन्नति का मूलाधार है। इस बजट में कुछ विशिष्ट क्षेत्रों क्षेत्रों में पूँजीगत व्यय की वृद्धि दरें इस तरह हैं: टेलीकॉम 97 प्रतिशत; रक्षा 18 प्रतिशत; रेलवे 10 प्रतिशत; सड़क व हाईवे 8 प्रतिशत एवं आवास व नगरीय विकास 6 प्रतिशत। ये तथ्य यह भी दशार्ते हैं कि बेहतर राजकोषीय प्रबन्धन से अब विकासगामी क्रियाओं के लिए अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो रहे हैं।

जीडीपी के सापेक्ष सरकारी ऋण भार को घटाकर 2030-31 तक 50 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। स्पष्ट है कि इससे आगामी वर्षों में अवस्थापना के विकास के लिए और अधिक 'फिस्कल स्पेस' मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि पूँजीगत व्यय में मोदी सरकार द्वारा की गई वृद्धि से आय में तो कई गुना वृद्धि होती ही है, इससे रोजगार में भी उल्लेखनीय तौर पर वृद्धि होती है। इस बजट में छोटे, मझोले एवं धार्मिक नगरों के विकास के लिए भी प्रावधान किए गये हैं। नगरीय क्षेत्रों में जन सुविधाओं के बेहतर विकास से जनजीवन सुगम व स्वस्थ होगा। साथ ही, इसके विकास से कारोबार सुगम होगा, इसमें वृद्धि होगी। धार्मिक व साँस्कृतिक स्थलों के उन्नयन से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा देश-विदेश से पर्यटकों की आवाजाही से आर्थिकी सशक्त होगी।

इस बजट में हास्पिटेलिटी तथा हेल्थ टूरिज्म से भी लोगों की आजीविका के स्रोतों में वृद्धि, रेल एवं जलमार्गों के विकास एवं अपग्रेडेशन से लाजिस्टिक्स की लागतें घटेंगी। इससे व्यापार में वृद्धि तो होगी ही, साथ ही आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी और अर्थव्यवस्था की स्पर्धात्मकता में वृद्धि से निर्यात-प्रेरित निवेश होगा। इस बात का उल्लेख करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि इस बजट में अवस्थापना क्षेत्र के विकास के लिए 12.20 लाख करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। यह एक बड़ी धनराशि है।

इससे विकास की गति को तेज करने तथा रोजगार को बढ़ाने में महती सहायता मिलेगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के अन्तर्गत इस बजट में 40 हजार करोड़ रुपये रखे गये हैं। इसके अतिरिक्त जिन 7 रोजगारपरक क्षेत्रों को समावेशित किया गया है वे हैं: बायो फार्मा, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेन्टस, रेयर अर्थ, रसायन, पूँजीगत वस्तएँ और टेक्सटाइल्स। इनसे मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की संवृद्धि बढ़ेगी।

वस्तुतः, ये अर्थव्यवस्था के उदीयमान क्षेत्र हैं और इनमें उत्पादन, रोजगार व निर्यात की प्रचुर संभावनाएं हैं। इसके अलावा बजट में लघु एवं मध्यम उद्योगों को चैंपियन बनाने के निर्णय से भी इस क्षेत्र का विकास तेज होगा। आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एमएसएमई, ओडीओपी तथा खादी क्षेत्र की भूमिका महती स्थान रखती है। रक्षा व्यय में वृद्धि; विशेष तौर पर पूँजीगत व्यय में वृद्धि से भी रक्षा मामले में हमारी आत्म-निर्भरता बढ़ेगी और रक्षा सामग्री का निर्यात बढ़ेगा।

कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस बजट में जो प्रावधान किये गये हैं उनसे कृषि एवं गैर-कृषि क्रियाओं के पारस्परिक आर्थिक सम्बन्धों को ताकत मिलेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग से कृषि उत्पादकता बढ़ेगी। कृषि के वाणिज्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा। किसानों की आय में वृद्धि होगी। किसानों, युवाओं एवं महिलाओं को उद्यमी बनाने का परिणाम होगा कि स्थानीय स्तर पर आजीविका के स्रोतों का विस्तार होगा। इससे गाँवों से नगरों को होने वाला पलायन भी रुकेगा। पशु चिकित्सा के लिए बजट में की गयी व्यवस्था से पशुधन में संवर्द्धन होगा। इससे गो आधारित प्राकृतिक कृषि के विस्तार में भी सहायता मिलेगी।

इस बजट को यदि समग्र रूप से देखें तो यही निष्कर्ष निकलता है कि यह बजट भारत की घरेलू क्षमता का समुचित उपयोग करते हुए त्वरित आर्थिक विकास एवं लोककल्याण में वृद्धि को समर्पित है।

(लेखक भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रभारी व उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य एवं पूर्व मंत्री हैं।)

खराब कचरा प्रबंधन पर्यावरण के लिए बड़ी चुनौती

मनोज कुमार मिश्र (हि.स)

कचरा अब केवल शहरों की समस्या नहीं है। शहरीकरण और आधुनिकीकरण की होड़ में गांव-देहात भी कचरे की समस्या को झेलने को मजबूर हो गए हैं। पर्यावरण के लिए घरों के निकलने वाले कूड़ों से अधिक प्लास्टिक कचरा, मेडिकल कचरा, इलेक्ट्रोनिक कचरा ज्यादा नुकसानदेह है। एक अनुमान के मुताबिक देशभर से हर रोज निकलने वाले करीब तीन लाख मीट्रिक टन कचरे में तमाम नए तरह के कूड़ा पैदा होने के चलते केवल एक चौथाई कूड़े का निबटान आसानी से हो पा रहा है। हिमालय की ऊंची चोटियों से लेकर पवित्र केदारनाथ धाम भी कचरा और खास कर प्लास्टिक कचरे से तबाह है। खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने मन की बात में इसके लिए अपील करनी पड़ी।

दिल्ली, मुंबई या दूसरे बड़े शहरों में कचरों के पहाड़ (लैंडफिल) से लोगों को खतरा है ही, उसे खत्म करने के कई प्रयासों के दौरान निकलने वाले गैस से बड़ी संख्या में लोग बीमार हो रहे हैं। जिस तरह से आए दिन दिल्ली के गाजीपुर, भलस्वा और ओखला या मुंबई के मुलूंग के कूड़े के पहाड़ों में आग लगती रहती है वैसी ही आग दिल्ली, मुंबई, देहरादून आदि के कूड़े घर में लगने लगी है। प्लास्टिक और दूसरे कचरों से बड़ी संख्या में समुद्री जीव लगातार मर रहे हैं। शहरों और देहातों में गाय और पालतू जानवरों की मौत का एक बड़ी कारण प्लास्टिक और मेडिकल कचरा है। उत्तराखंड के जंगलों में हाथियों के लीद ((शौच) में प्लास्टिक कचरा मिलने के बाद तो वन जीवों पर संकट के बादल छाने लगे हैं।

घरों से हर निकलने वाले कूड़े प्रबंधन एक समस्या है ही क्योंकि माना जाता है कि अगर अलग-अलग कूड़े की छंटाई शुरूवात में घरों से नहीं हुई तो बाद में उन्हें अलग करना कठिन हो जाता है। बड़ी समस्या दूसरे प्रकार के कूड़े से है। अब घरों को तोड़ने से होने वाले मलबे को सड़क बनाने में उपयोग किया जाने लगा है। प्लास्टिक के पुराने बोतलों आदि को भी री-साईकिल कर दूसरी चीज बनाए जाने लगे हैं। बड़ी समस्या मेडिकल कूड़े की है। एक अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के दौरान हर रोज 710 टन मेडिकल कचरा निकल रहा था। मेडिकल कचरो का सही प्रबंधन न करने पर तो उनमें आपस में ही रासायनिक प्रतिक्रिया होने से खतरनाक गैस निकलने लगते हैं। इसी तरह इलेक्ट्रोनिक कचरा प्रबंधन बड़ी समस्या बन चुका है। अब मोबाइल, टीवी, फ्रिज, एसी, कूलर, गीजर, हीटर इत्यादि सामान हर घर तक पहुंच गया है। उनके बेकार होने पर उसके पुराने सामानों का उपयोग एक हद तक ही होता है। बाद में तो वह कूड़ा ही बन जाता है। इस कूड़े की मात्रा भी लगातार बढ़ रही है।

समस्या इसलिए ज्यादा विकराल होती जा रही है कि हम जिन दुनियां के अमीर देशों की नकल करके आधुनिकता के अंधी दौड़ में फंसे हुए है, वहां भी कचरा प्रबंधन समस्या है लेकिन वहां अपने देश जैसी न तो भारी आबादी है और न कम संसाधन। कुछ दशक पहले तक कूड़ा प्रबंधन शहरों की समस्या थी। गांव में गिनती के पक्के मकान थे। मिट्टी या बांस-फूस के मकानों को तोड़ तक वापस कुछ और मिट्टी या बांस- फूस से नया मकान बनाया जाता था। घरों से निकलने वाला कूड़ा खाद बन जाता था क्योंकि उसमें मिलावटी चीजें नहीं या कम से कम होती थी। गांव में प्लास्टिक के थैलों और बोतलों आदि का उपयोग तो कुछ दशकों से शुरू हुआ है। लोग सामान लाने-ले-जाने के लिए अपने थैलों आदि का उपयोग करते थे। गांव में इलेक्ट्रोनिक सामान गिनती के थे। अब गांव में भी ज्यादातर घर पक्के बन गए। इलेक्ट्रोनिक और मेडिकल कचरा शहरों की तरह गांव में भी इकट्ठा होने लगा है। शहरीकरण की बढ़ती रफ्तार ने देश के गांवों की आबादी को भी वही सारे रोग दे दिए हैं, जिसे झेलने के लिए शहरों के लोग पहले अभिशप्त थे।

अब कचरा प्रबंधन केवल महानगरों या शहरों की समस्या नहीं है, यह देश की बड़ी समस्या बन गया है। बिना कूड़ा प्रबंधन के प्रदूषण से निजात नहीं मिलने वाला है। यह साबित हो चुका है कि प्रदूषण का एक बड़ा कारण कूड़ा-कचरा है। दुनिया के अमीर देश भी इस समस्या को झेल रहे हैं और उससे निजात पाने के विभिन्न उपाय खोज चुके हैं और हर रोज नए उपाय मिलने की उम्मीद दिखाते हैं। उनका कूड़ा प्रबंधन बेहतर होने से उन देशों में प्रदूषण के मुख्य कारणों में कचरा या कूड़ा नहीं है। उनका खानपान और रहन-सहन उन्हें बीमार बना रहा है। भारत जैसे बड़ी आबादी वाले विकासशील देश में से प्रदूषण के बड़े कारणों में एक कारण मानव के उपयोग में आने वाले विभिन्न तरीके के कचरे हैं। दुर्भाग्य से इस समस्या से हम निजात नहीं पा सके हैं और अमीर देशों की नकल में जीवन शैली में बदलाव कर प्रकृति का सही उपयोग के बजाए उसका दोहन करके अपने को ज्यादा बीमार कर रहे हैं। यही हाल अपने देश में भी अंधाधुंध हो रहे शहरीकरण और विदेशी जीवन शैली का नकल करने से हो रहा है।

नरेन्द्र मोदी साल 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बनते ही जिन चीजों का लगातार और बार-बार आग्रह कर रहे हैं उसमें स्वच्छता, स्वावलंबन और कचरा मुक्त देश बनाने का आग्रह प्रमुख है। सभी को पक्का मकान सरकार दिला रही है, सभी घरों में साफ पानी, शौचालय, बिजली और हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ रही है। इसमें सरकार को काफी सफलता भी मिली है। इन योजनाओं का लाभ ज्यादातर देश की आबादी को मिल रहा है। इसी तरह से सभी को शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा भी सरकार उपलब्ध करा रही है। इन सभी योजनाओं पर लाइलाज हो रही कूड़े-कचरे की समस्या पानी फेर रही है।

उत्पादन बढ़ाने की होड़ से अन्न के अवशेष भी जहर बनते जा रहे हैं। पहले अन्न के जिन अवशेषों को प्राथमिकता से घरेलू जानवरों और मवोशियों को खिलाकर उन्हें ताकतवर और ज्यादा उपयोगी बनाते थे। अब वे उन्हीं को खाकर बीमार हो रहे हैं। भारतीय संस्कृति में गाय का गोबर सबसे पवित्र माना जाता है। उसका उपयोग हर पूजा-पाठ से लेकर घरों को शुद्ध करने के लिए किया जाता था। आज प्रदूषित अन्न के अवशेषों ने उसकी पवित्रता को ही खत्म कर दिया। गाय सबसे बड़ी संख्या में प्लास्टिक के पैकेट निगलने और प्रदूषित अन्न अवशेष खाकर मर रही हैं।

इन कचरों का सही निबटारा न होने से गांव से लेकर शहरों तक के नदी-नाले भी कचरों की ढेर में तब्दील हो रहे हैं। इससे पानी का संकट तो भयावह होता ही जा रहा है, हर शहर में थोड़ी बरसात से ही बाढ़ आने लगी है। हालात ऐसे बनते जा रहे हैं कि गांव से लेकर शहरों और दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में आपातकाल जैसे हालात मानकर कचरा प्रबंध प्राथमिकता पर करना जरूरी हो गया है।

(लेखक, जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

गैंगस्टरां ते वार: मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने वांछित अपराधियों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन प्रहार-2 शुरू किया

पंजाब पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से पुलिस जिलों की निगरानी करेंगे: डीजीपी गौरव यादव

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शानुसार, पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के उद्देश्य से चल रही ह्यगैंगस्टरां ते वारह्ल मुहिम में और तेजी लाते हुए, पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आज वांछित अपराधियों को पकड़ने के लिए 72 घंटे के ह्यऑपरेशन प्रहार-2ह्ल की शुरूआत की घोषणा की।

डीजीपी गौरव यादव, जिनके साथ विशेष डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला, एडीजीपी एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) नीलाभ किशोर और इंटेलिजेंस प्रमुख डॉ. सुखचैन सिंह गिल भी मौजूद थे, ने सभी सीपी/एसएसपी और रेंज आईजीपी/डीआईजी के साथ उच्च-स्तरीय बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस बैठक में ह्यनशों के खिलाफ युद्धह्ल और ह्यगैंगस्टरां ते वारह्ल अभियानों की प्रगति की समीक्षा की गई।

यह कार्रवाई ह्यऑपरेशन प्रहारह्ल की बड़ी सफलता के कुछ दिनों बाद शुरू की गई है, जिसमें महज 72 घंटों में 3,256 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 69 हथियार बरामद किए गए थे।

डीजीपी ने बताया कि ह्यऑपरेशन प्रहार-2ह्ल सोमवार से बुधवार तक चलेगा और इसकी प्रभावी निगरानी के लिए पंजाब पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात किया गया है।

ह्यगैंगस्टरां ते वारह्ल मुहिम के पिछले 20 दिनों के परिणाम साझा करते हुए डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 17,603 छापेमारी कीं और 5,290 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिनमें गैंगस्टर और उनके सहयोगी शामिल हैं। इनके कब्जे से 128 हथियार बरामद किए गए। इसके अलावा 2,973 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 5,413 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। उन्होंने बताया कि 344 भगोड़े अपराधी (प्रॉक्लेम्ड ऑफेंडर/पीओ) भी गिरफ्तार किए गए।

सभी झूठी प्रचारबाजी को खारिज करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पूरा अभियान पूरी तरह कानून के अनुसार चलाया जा रहा है और पुलिस केवल उन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर रही है जो अपराध में वांछित हैं।

पुलिस जिलों में प्रभावी निगरानी के लिए स्पेशल डीजीपी, एडीजीपी, आईजीपी और डीआईजी रैंक के अधिकारियों को अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है और सख्त निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या चूक के लिए संबंधित अधिकारी जवाबदेह होंगे।

राज्य भर में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने और अपराध निपटान व्यवस्था को मजबूत करने के लिए डीजीपी ने बताया कि सभी सीपी/एसएसपी और रेंज आईजीपी/डीआईजी को पूर्ण तैयारी के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) भी जारी की गई है।

उन्होंने कहा कि सीपी/एसएसपी को जांच की निगरानी करने और जघन्य अपराधों का पता लगाने के लिए सभी महत्वपूर्ण अपराध संभावित स्थानों का व्यक्तिगत निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी जिला प्रमुखों को भीड़-भाड़ वाले इलाकों और हॉटस्पॉट क्षेत्रों में व्यक्तिगत दौरा करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि पुलिस की मौजूदगी और जनता का भरोसा बढ़े।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि नॉन-कोर ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल का ऑडिट और लामबंदी की जा रही है ताकि 24 घंटे सक्रिय हाई-टेक नाकों और शहर के सीलिंग पॉइंट्स को और मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक जवान उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि कई अपराध में इस्तेमाल होने वाले वाहन बिना नंबर प्लेट के घूम रहे हैं, इसीलिए वाहनों की जांच, खासकर दोपहिया वाहनों के चालान और जब्त करने पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

वायरलेस सेट और वॉकी-टॉकी का अधिकतम उपयोग करने पर जोर देते हुए डीजीपी ने कहा कि संबंधित सीपी/एसएसपी/रेंज आईजीपी/डीआईजी की जिम्मेदारी होगी कि किसी घटना की सूचना मिलते ही तुरंत उचित पुलिस कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने कहा, किसी भी आपराधिक घटना की सूचना मिलते ही अपराधियों के फरार होने की संभावित रास्तों और निकास स्थानों पर तीखी नजर रखते हुए उन्हें रोकने के लिए एक व्यापक सीलिंग योजना तुरंत लागू की जानी चाहिए।

1 मार्च 2025 को शुरू की गई ह्यनशों के खिलाफ युद्धह्ल मुहिम के तहत नशों के खिलाफ चल रही अथक लड़ाई को रेखांकित करते हुए डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि पंजाब पुलिस ने 48,167 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, 33,779 एफआईआर दर्ज कीं और उनके कब्जे से 2,149 किलो हेरोइन, 29 किलो आईसीई, 649 किलो अफीम, 28,527 किलो भुक्की, 48.31 लाख नशीली गोलियाँ/कैप्सूल और 15.91 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की है।

उन्होंने कहा कि लोग गुप्त रूप से वांछित अपराधियों/गैंगस्टरों की जानकारी एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर दे सकते हैं और किसी भी अपराध या आपराधिक गतिविधि की सूचना भी साझा कर सकते हैं।

भगवंत मान सरकार किफायती दरों पर पशुधन सेहत संभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए वैटरनरी पौलीकलीनिको में खोलेगी 'ब्लू क्रास' स्टोर: गुरमीत सिंह खुडियां

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सूबा सरकार छह जिलों में 'ब्लू क्रास' वैटरनरी मैडिसन स्टोर खोलने जा रही है जिसका उदेश्य उन्नत पशु सेहत संभाल सेवाओं को और ज्यादा पहुंचयोग्य और किफायती बनाना है।

इस प्रोजेक्ट सम्बन्धित विवरन सांझा करते हुए पंजाब के पशु पालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास मंत्री स.गुरमीत सिंह खुडियां ने कहा कि यह कदम किसानों पर वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम करने के साथ-साथ ग्रामीण आर्थिकता की रीढ़ की हड्डी पशु पालन सैक्टर को बढ़ावा देगा।

इस योजना की रूप- रेखा के बारे में बताते हुए पंजाब के पशु पालन मंत्री स. गुरमीत सिंह खुडियां ने कहा कि पशु पालकों को 'ब्लू क्रास' स्टोरों पर सभी

जैनरिक वैटरनरी दवाओं पर 30 प्रतिशत की छूट और ब्रांडिड दवाओं पर 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी, जिसका उदेश्य गुणवत्ता के साथ समझौता किए बिना पशु पालकों को किफायती दरों पर दवाएं यकीनी बनाना है।

उन्होंने बताया कि 'ब्लू क्रास 'स्टोर गुरदासपुर, पटियाला, लुधियाना, संगरूर, श्री मुक्तसर साहिब और अमृतसर जिलों में स्थित अति-आधुनिक वैटरनरी पौलीकलीनिको, जिनमें पिछले साल एडवांस्ड इन्डोर पेशेंट डिपार्टमैंट सेवाएं शुरू की गई थी, के अंदर स्थापित किए जा रहे हैं। यह वैटरनरी पौलीकलीनिक राज्य भर में मजबूत संस्थागत और मल्टी- सपैशलटी पशु सेहत संभाल प्रणालियों स्थापित करने की तरफ पंजाब सरकार के विशेष ध्यान को दशार्ते है।

स. गुरमीत सिंह खुडियां ने कहा कि हमारे किसान पंजाब की खुशहाली की रीढ़ की हड्डी है और उनके पशुओं की सेहत सीधे तौर पर उनकी आमदन और भलाई के साथ जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि ब्लू क्रास स्टोर गुणवत्ता वाली पशु सेहत संभाल सेवाओं को किफायती और पहुंचयोग्य बना कर पशुधन की सेहत और किसानों की खुशहाली की तरफ एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि यह पहलकदमी पशु पालकों को किफायती दरों पर दवाएं प्रदान करते हुए रोकथाम देखभाल को उत्साहित करके किसानों का पैसा बचाने में और ज्यादा रचनात्मिक साबित होगी।

पशु पालन मंत्री ने कहा कि पौलीकलीनिको के अंदर गुणवत्ता वाली दवाओं तक किसानों की सीधी पहुंच यकीनी बनाने के साथ उनके समय की भी बचत होगी। इसके साथ ही मौजूदा आईपीडी सहूलतों के साथ फामेर्सी सेवाओं का एकीकरण डायगनौसिस से ले कर रिकवरी तक पशुधन देखभाल को और ज्यादा कुशल और सुचारू बनाएगा। उन्होंने कहा कि पशुधन की तंदरुस्ती उत्पादकता में विस्तार करेगी, जिसके साथ डेयरी और सहायक ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बड़ी मजबूती मिलेगी।

आरडब्ल्यूए सेक्टर 61 के चुनाव में नैय्यर गुट ने दी चौहान गुट को भारी शिकस्त

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), सेक्टर 61 के चुनाव जो पिछले कई दिनों से चर्चा का विषय बने हुए थे। शायद इतनी उठा पटक नगर निगम के चुनाव भी में भी नहीं होती जितनी इस चुनाव में देखने को मिली। आज नैय्यर गुट ने तीनों प्रत्याशी पद पर भारी अंतर से जीत हासिल की। चुनाव अधिकारी विजय पुरी ने बताया कि प्रधान पद के प्रत्याशी सुरेश कुमार गर्ग ने 210 वोट लेकर अपने प्रतिद्वंद्वी विनीत चौहान को 60 वोटों से हराया। महासचिव के पद पर नैय्यर गुट के प्रत्याशी शीशपाल ने 204 वोट लेकर जीत हासिल की। इसी तरह इसी गुट के वित्त सचिव के प्रत्याशी बालकृष्ण शर्मा ने 220 वोट लेकर अप्रत्याशित जीत हासिल की। इस पूरे चुनाव में सेक्टर की महिला एवं सीनियर सिटीजन का मुख्य योगदान देखने को मिला।

इस जीत के मौके पर क्रार्फेड के अध्यक्ष हितेश पूरी और महासचिव डॉ. अनीश गर्ग विशेष तौर पर उपस्थित रहे। सेक्टर वासियों ने पूरी जीत का श्रेय सीनियर सिटीजन अनिल नैय्यर को दिया। पूर्व प्रधान सर्बजीत सिंह लहरी ने फूल माला पहनाकर नवनियुक्त टीम को बधाई दी।

संक्षिप्त-समाचार

श्री पेरिया नाजगी अम्मल टेम्पल में 22 फरवरी को मनाया जाएगा महाशिवरात्रि पर्व

चंडीगढ़। श्री पेरिया नाजगी अम्मल टेंपल/ काली माता मंदिर धनास में माता के दिव्य आशीर्वाद से महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिर में शिवरात्रि का पर्व 22 फरवरी 2026- रविवार को बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव से मनाया जाएगा। यह जानकारी श्री पेरिया नाजगी अम्मल टेंपल मैनेजिंग कमेटी (रजिस्टर्ड) 2686[.1997] और मंदिर की महिला मंडली द्वारा आज यहां मंदिर में एक प्रेस वार्ता के दौरान दी गई। महाशिवरात्रि पर्व महोत्सव के समारोह के आयोजन को लेकर और अधिक विस्तृत जानकारी देते हुए आर वेलु अध्यक्ष,ने बताया कि महोत्सव के आयोजन को लेकर आज एक मीटिंग आयोजित की गई थी। जिसमे मंदिर में महोत्सव की व्यवस्था और तैयारियों को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई है। मंदिर में महाशिवरात्रि उत्सव की शुरुआत झ्15 फरवरी, 2026 से सुबह से ही हो जाएगी। मंदिर में नीलकंठ, भगवान शिव की पूजा अर्चना पूरे विधि विधान से की जाएगी। इसके बाद 8वें दिन 22 फरवरी 2026 रविवार को मयाना कोल्लाई उत्सव होगा। इन आठ दिनों मे मन्दिर में महाशिवरात्रि पर्व में पूजा अर्चना जारी रहेगी और फिर 22 फरवरी को महा उत्सव होगा, जो सुबह से शुरु होकर रात्रि 10 बजे तक चलेगा। उन्होंने बताया कि महा उत्सव के दिन तमिल श्रद्धालुओं द्वारा जीभ और गाल में त्रिशूल आरपार के शोभायात्रा भी निकाली जाएगी।

ब्रांडमैन रिटेल की स्नीकरज ने मोहाली में अपने नवीनतम स्टोर का शुभारंभ किया

मोहाली। ब्रांडमैन रिटेल लिमिटेड की युवा-केंद्रित स्नीकर्स और स्ट्रीट कल्चर डेस्टिनेशन स्नीकरज ने मोहाली में अपने नवीनतम स्टोर का भव्य शुभारंभ एक अनोखे कम्युनिटी फिटनेस और कल्चर इवेंट के साथ किया। इस हाई-एनर्जी लॉन्च ने मूवमेंट, म्यूजिक और स्थानीय युवाओं की ऊर्जा को एक साथ जोड़ते हुए शहर में एक नया लाइफस्टाइल अनुभव पेश किया। शहर में अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हुए, स्नीकरज ने 500 से अधिक पंजीकृत प्रतिभागियों के साथ एक हाई-वोल्टेज कम्युनिटी रन का आयोजन किया, जिसमें मोहाली, चंडीगढ़ और पूरे ट्राइसिटी क्षेत्र के युवा शामिल हुए। यह कोई साधारण रन नहीं था, बल्कि वेलनेस को सामाजिक, समावेशी और रोमांचक बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया एक कल्चर-फर्स्ट फिटनेस उत्सव था। मोहाली में पहली बार देखे गए इस अनोखे फॉर्मेट में रन के बाद एक जीवंत पोस्ट-रन फेस्टिवल माहौल बनाया गया, जिसमें जुम्बा सेशंस, लाइव डीजे सेट्स और क्यूरेटेड फूड एवं बेवरेज अनुभव शामिल थे। फिटनेस, म्यूजिक और स्ट्रीट-स्टाइल एनर्जी के इस मेल ने एक साधारण वर्कआउट को पूर्ण-स्तरीय युवा लाइफस्टाइल अनुभव में बदल दिया। इस अवसर पर अरुण मल्होत्रा, फाउंडर और डायरेक्टर, ब्रांडमैन रिटेल ने कहा कि मोहाली में स्नीकरज का लॉन्च हमारे कम्युनिटी-ड्रिवन और एक्सपीरियंस-लेड रिटेल के विजन को दशार्ता है। हमें मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि फिटनेस, कल्चर और सेल्फ-एक्सप्रेशन को एक साथ जोड़ने वाले फॉर्मेट्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। यह नॉर्थ इंडिया में स्नीकरज के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री शिव महापुराण कथा में सती चरित्र का भावपूर्ण वर्णन

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर 29 ए स्थित श्री बाबा बालक नाथ मंदिर में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में निरंतर जारी है। यह कथा 11 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन शाम 4:00 बजे से 7:00 बजे तक आयोजित की जा रही है। कथा का रसपान श्रद्धालुओं को प्रसिद्ध कथा वाचक श्री गोपाल शुक्ल जी महाराज करवा रहे हैं। कथा के आयोजन में मुख्य यजमान श्रीमती जोत्सना शर्मा जी, मंदिर के प्रधान श्री विनोद कुमार चड्ढा तथा सभा की समस्त कार्यकारिणी का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर पूर्व पार्षद जितेंद्र भाटिया विशेष तौर पर उपस्थित रहे। कथा के दौरान सती चरित्र का अत्यंत मार्मिक और भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा वाचक ने बताया कि सती, प्रजापति दक्ष की पुत्री एवं भगवान शिव की प्रथम पत्नी थीं। बचपन से ही उनका मन भगवान शिव में रमा हुआ था और कठोर तपस्या के पश्चात उन्होंने शिव को पति रूप में प्राप्त किया। किंतु उनके पिता दक्ष को भगवान शिव का औघड़ और वैराग्यपूर्ण स्वरूप स्वीकार नहीं था।

न्याय की देवी बनी गांधारी है, आँखों से उसकी पर्दा हटाना होगा

चंडीगढ़ । सैक्टर 35 स्थित प्राचीन कला केंद्र के सभागार में बृहस्पति कला केंद्र, चण्डीगढ़ और प्राचीन कला केंद्र, चण्डीगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 'साहित्य सरिता' काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर सौभाग्य वर्धन, डॉ. अनीश गर्ग, उपाध्यक्ष, चण्डीगढ़ साहित्य अकादमी व वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम विज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ रंगकर्मी एवं साहित्यकार राजेश आत्रेय ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजू चौहान ने आकर्षक ढंग से किया। कार्यक्रम के आरंभ में गौतमी एम ने पढ़ा, जब कोई रहबर नहीं होता, तो अकेले सफर नहीं होता, वो गुजारते हैं रोज कूचे से, उनका रुख पर इधर नहीं होता, अकादमी के सचिव सुभाष भास्कर ने कुछ यूं पढ़ा, आदिकाल से ही चल रहा है अंतर्द्वंद्व, युगों युगों तक अनंत काल तक निरंतर चलता रहेगा अंतर्द्वंद्व, किरण सेतिया ने कुछ यूं कहा, पापा हमारी ज़िन्दगी का कोई किरदार नहीं होते, वह तो हमारे जीवन का एक सूत्रधार होते हैं, ओज की युवा कवयित्री नंदिनी ने रौंगटे जागृत करते कहा, न्याय की देवी बनी गांधारी है, आँखों से उसकी पर्दा हटाना होगा, तारीख पर तारीख का इतिहास बदलकर, पल में इंसाफ दिलाना होगा, डा. अनीश गर्ग ने अपनी पंक्तियों के साथ खूब वाहवाही बटोरी, दिल ने मेरे कहा है मुझसे, के लौट परिंदे आ रहे हैं, उनकी लकीरों में आ गए हम, वह हाथों को अपने छुपा रहे हैं। रेणु अब्बी रेणू ने कहा, शिव नाम जपे दिल तो, उजाला ही उजाला है, हर श्वास में भोले का सुर और शिवाला है, हास्य कवि तेजवीर जेनुअन ने हास्य का रंग बिखेरते पत्नी पर तंज रखते हुए कहा, डॉक्टर जी जरा चैकअप कर दो, ये बार-बार धमकाए, पता ना क्या हो गया है। पंजाबी की कवयित्री खुशनूर ने बखूबी पढ़ा, दुनिया दे बदले चेहरे मैं देखे, चानण दे मुंह ते हणेरे मैं देखे, श्याम सुंदर ने कहा, इतनी जल्दी तू मीत न बना, अरसा लग जाता है मीत बनाने में, उससे भी अधिक समय लगता है मित्रता निभाने में, मोनिका कटारिया, मानव ने मानव से कर ली है जी कट्टी, पता नहीं जी किसने उसको पढ़ा दी ऐसी पट्टी।

प्रसिद्ध शिक्षा शास्त्री एवं प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. पुष्पिंदर सिंह गिल महाराजा भूपिंदर सिंह पंजाब स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, पटियाला के कुलपति नियुक्त

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने डॉ. पुष्पिंदर सिंह गिल को महाराजा भूपिंदर सिंह पंजाब स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी (एम.बी.एस.पी.एस.यू.), पटियाला का कुलपति नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल पद ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष का होगा।

उल्लेखनीय है कि डॉ. पुष्पिंदर सिंह गिल के पास शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय परामर्श के क्षेत्र में 36 वर्ष से अधिक का अनुभव है।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला से सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. गिल ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएँ दी हैं और उनकी नेतृत्व क्षमता पंजाब की प्रमुख खेल विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की ओर ले जाने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होगी। यह भी उल्लेखनीय है कि डॉ. गिल ने पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला से वर्ष 1993 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है।

पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में अपने शानदार शैक्षणिक करियर के दौरान डॉ. गिल ने स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में विशेष रूप से सेवा दी।

अपने शैक्षणिक करियर में नए मानक स्थापित करते हुए डॉ. गिल ने वर्ष 1999 से 2001 तक अफ्रीका (यूगांडा, केन्या, इथियोपिया और नाइजीरिया) में कोका-कोला कंपनी के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान कीं और उच्च शिक्षा प्रशासन में कुशल कॉर्पोरेट गवर्नेंस तथा रणनीतिक प्रबंधन की विशेषज्ञता लाई।

डॉ. गिल की अकादमिक उपलब्धियाँः

मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 84 शोध प्रकाशन के अलावा 10 पुस्तकें तथा प्रख्यात पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में प्रबंधन एवं संबंधित विषयों पर आधारित 400 से अधिक लेख शामिल हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि डॉ. गिल की विशेषज्ञता महाराजा भूपिंदर सिंह पंजाब स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी को एकीकृत खेल शिक्षा, उच्च-प्रदर्शन खेल, और व्यावहारिक अनुसंधान के क्षेत्र में देश की सर्वश्रेष्ठ संस्था के रूप में स्थापित करेगी, जहाँ विद्यार्थी, एथलीट, फैकल्टी, कोच और उद्योग मिलकर ज्ञान सृजन करेंगे तथा विज्ञान को पोडियम प्रदर्शन और खेल-क्षेत्र के करियर में बदलेंगे।

उन्होंने उत्तराखंड, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में लोक सेवा आयोगों में विशेषज्ञ के रूप में भी सेवाएँ दी हैं।

एएसी सरकार ने पंजाब में मुफ्त दवाइयों, जांचों और मरीजों के विश्वास के माध्यम से सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा को नया रूप दिया

पंजाब की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की बदली नुहार: भगवंत मान सरकार के मुफ्त गुणवत्तापूर्ण इलाज से आम आदमी क्लीनिकों ने जीता लोगों का भरोसा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भगवंत मान सरकार ने पंजाब की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में निर्णायक और जनोन्मुखी बदलाव किया है। इसके तहत आम आदमी क्लीनिक (एएसी) पूरे राज्य में आसान पहुंच और मुफ्त प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बनकर उभरे हैं। पंजाब विकास आयोग (पीडीसी) द्वारा हाल ही में जारी स्टेट रिपोर्ट कार्ड इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पंजाब के स्वास्थ्य ढांचे में मिसाली सुधार कर रही है।

राज्य भर के 18,256 मरीजों से बातचीत के आधार पर तैयार किए गए मरीज फीडबैक स्टेट रिपोर्ट कार्ड के अनुसार, 96 प्रतिशत मरीजों ने आम आदमी क्लीनिकों में दी जा रही चिकित्सा सेवाओं पर संतोष व्यक्त किया। रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि पंजाब में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा अब पूरी तरह बदल चुकी है। यह व्यवस्था अब कमियों और उपेक्षा की जगह भरोसेमंद, गुणवत्तापूर्ण और विश्वास-आधारित बन गई है, जहां नागरिकों को बिना किसी आर्थिक बोझ के समय पर चिकित्सा सहायता मिल रही है।

जानकारी के अनुसार अब सभी मरीजों को आम आदमी क्लीनिकों में दवाइयां पूरी तरह मुफ्त मिल रही हैं। 92 प्रतिशत लोगों ने पुष्टि की कि उन्हें सभी आवश्यक दवाइयां यहां आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। 94 प्रतिशत मरीजों ने बताया कि उनके निर्धारित जांच परीक्षण भी क्लीनिकों में ही हुए, वह भी पूरी तरह मुफ्त। यह भगवंत मान सरकार की बुनियादी नीतिगत सोच में बदलाव का

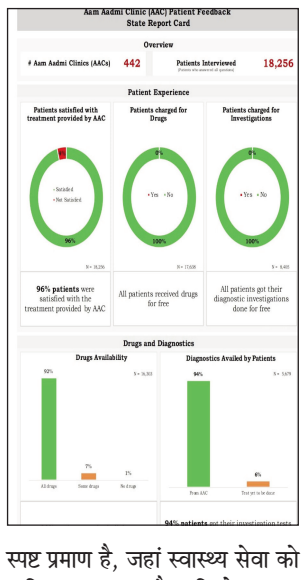

स्पष्ट प्रमाण है, जहां स्वास्थ्य सेवा को अधिकार माना गया है, न कि केवल उन अमीर लोगों की सुविधा, जो निजी अस्पतालों का खर्च उठा सकते हैं।

रिपोर्ट भगवंत मान सरकार द्वारा मरीजों के सम्मान और सुव्यवस्थित अनुभव पर दिए गए विशेष ध्यान को भी उजागर करती है। 99 प्रतिशत मरीजों ने बताया कि आम आदमी क्लीनिक बेहद साफ-सुथरे हैं, 99 प्रतिशत ने पर्याप्त बैठने की व्यवस्था की पुष्टि की, 97 प्रतिशत ने पीने के साफ पानी की उपलब्धता बताई और 95 प्रतिशत ने कहा कि शौचालय साफ-सुथरे थे। यह दशार्ता है कि मौजूदा सरकार के लिए स्वास्थ्य सेवा केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवीय और सम्मानजनक सार्वजनिक संस्थान बनाने का एक ईमानदार प्रयास है।

जिला-वार आंकड़े इस बदलाव की समानता और व्यापकता को और स्पष्ट करते हैं। अमृतसर, लुधियाना, जालंधर, पटियाला, बठिंडा, होशियारपुर और तरनतारन सहित कई जिलों में लगातार उच्च संतुष्टि स्तर दर्ज किए गए हैं। पार्टी का कहना है कि यह निरंतरता मजबूत शासन, नियमित निगरानी और पंजाब के हर हिस्से में सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की राजनीतिक प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब में आम आदमी क्लीनिकों की सफलता देश के बाकी हिस्सों के लिए एक मॉडल और मिसाल है। ऐसे समय में, जब बढ़ती चिकित्सा लागतें परिवारों को कर्ज के बोझ तले दबा रही हैं, पंजाब ने यह दिखाया है कि उच्च गुणवत्ता वाली, मुफ्त प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारदर्शी शासन और मरीज-प्रथम योजना के माध्यम से बड़े पैमाने पर प्रदान की जा सकती है।

आम आदमी क्लीनिकों की पहल ने न केवल आम परिवारों पर वित्तीय बोझ कम किया है, बल्कि मोहल्ला स्तर पर स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा कर सेकेंडरी और टर्शियरी अस्पतालों पर बढ़ते दबाव को भी कम किया है। यह आम आदमी पार्टी के वादों और पंजाब में भगवंत मान सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य सेवा क्रांति का प्रत्यक्ष प्रभाव है।

अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए भगवंत मान सरकार ने कहा कि वह पूरे पंजाब में आम आदमी क्लीनिकों का विस्तार और सुदृढ़ीकरण जारी रखेगी, ताकि हर नागरिक को घर के पास समय पर, मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मिल सके और सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान लोगों के लिए विश्वास और सम्मान का केंद्र बने रहें।

कोटा में तीन मंजिला इमारत ढही, दो की मौत, 13 घायल

पांच को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई

एजेंसी (हि.स.)
कोटा

कोटा शहर के तलवंडी इलाके में शनिवार रात एक तीन मंजिला इमारत अचानक ढह गई। हादसे के समय इमारत के भीतर रेस्टोरेंट चल रहा था, जहां ग्राहक और कर्मचारी मौजूद थे। इमारत गिरने से कोचिंग स्टूडेंट समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 लोग घायल हो गए। इनमें से आठ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहीं पांच को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। मलबे में दबे लोग मदद के लिए चीखते रहे। किसी का हाथ बाहर दिख रहा था तो किसी का पैर। करीब तीन घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में मलबे में फंसे लोगों को एक-एक कर बाहर निकाला गया। रेस्क्यू अभियान के दौरान बचाव दल का एक कर्मचारी रॉकी डेनियल भी घायल हो गया। एसडीआरएफ टीम ने मलबे के नीचे दबे एक युवक को हाथ पकड़कर बाहर निकाला, जिसके बाद उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में जान गंवाने वाले कोचिंग स्टूडेंट की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी आर्यन (20) के रूप में हुई है। दूसरी मौत 15 वर्षीय बच्चे की हुई है। सीएमएचओ नरेंद्र नागर के अनुसार, हादसे में रेस्टोरेंट मालिक समेत कुल 13 लोग घायल हुए हैं। घायलों में सुदीता (30) निवासी कोटा, शालीन सुवास्या (25) निवासी कुन्हाड़ी, मोहम्मद जहांगीर (30) निवासी महावीर नगर, भूपेंद्र (40) निवासी रंगबाड़ी, पूरब मीणा (24) निवासी जय हिंद नगर, नावेद (20) निवासी सुभाष नगर, मोहम्मद साबिर निवासी झारखंड सहित अन्य शामिल हैं। रेस्टोरेंट मालिक मोहम्मद जहांगीर के दोनों पैर कटने की सूचना है। जिला कलेक्टर पीयूष सामरिया ने बताया कि इमारत में एक रेस्टोरेंट संचालित हो रहा था। घटना के समय करीब 12 से 15 कर्मचारी और कुछ ग्राहक मौजूद थे। हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पहले तेज आवाज आई, जैसे पटाखे फूट रहे हों, इसके बाद पूरी इमारत भरभराकर गिर गई। आसपास के लोगों ने बताया कि इमारत के पीछे वाली बिल्डिंग में कई दिनों से निर्माण कार्य चल रहा था, जहां ड्रिल मशीन और हैमर के कारण लगातार वाइब्रेशन हो रहा था। हादसे के बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, जिला कलेक्टर, एसपी और मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल अस्पताल पहुंचे और घायलों से मुलाकात की। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि हादसे की पूरी जांच के लिए कमेटी गठित की गई है। घायलों का इलाज मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल और निजी अस्पतालों में जारी है। प्रशासन ने मौके पर स्थिति को नियंत्रण में बताया है, लेकिन इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

फोटोः हि.स.

अलवर टाइगर इंटरनेशनल मैराथनः मुख्यमंत्री सहित केंद्रीय मंत्री ने किया फ्लैग ऑफ

एजेंसी (हि.स.)
अलवर

वन्यजीव संरक्षण और फिटनेस का संदेश देने वाली अलवर टाइगर इंटरनेशनल मैराथन का शुभारंभ रविवार को अलवर के प्रताप ऑडिटोरियम से हुआ। मैराथन को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने संयुक्त रूप से फ्लैग ऑफ कर रवाना किया। मैराथन में देश विदेश सहित करीब 18 हजार धावकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर मैराथन के ब्रांड एंबेसडर और प्रसिद्ध अभिनेता रणदीप हुड्डा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देश-विदेश से आए धावकों सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर की भागीदारी वाले अलवर टाइगर इंटरनेशनल हाफ मैराथन में विभिन्न देशों के धावकों ने शिरकत की, जिससे यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त करता नजर आया। आयोजन स्थल पर सुबह से ही खेल प्रेमियों, युवाओं और आम नागरिकों की भारी भीड़ देखने को मिली। यह मैराथन 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, 5 किलोमीटर और 2 किलोमीटर में आयोजित हुई। जितने वाले प्रतिभागियों को मुख्यमंत्री द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस दौरान जिला कलेक्टर अर्तिका शुक्ला, एसपी सुधीर चौधरी, विधायक जसवंत यादव, रमेश खींची सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की मैराथन का आयोजन अलवर सांसद खेल उत्सव के अंतर्गत किया गया है। आयोजन का उद्देश्य खेलों को बढ़ावा देने के साथ-साथ टाइगर संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन, पुलिस और वन विभाग की ओर से पुख्ता व्यवस्थाएं की गईं। मैराथन रूट पर चिकित्सा दल, स्वयंसेवक और ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु रही। प्रतिभागियों में उत्साह और अनुशासन देखने को मिला।

फोटोः हि.स.

टीएनपीएससी ग्रुप 2, 2ए परीक्षाएं स्थगित परीक्षा केंद्रों में गड़बड़ी से हंगामा

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
चेन्नई

चेन्नई में रविवार को आयोजित होने वाली टीएनपीएससी ग्रुप 2 और 2ए मुख्य परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। परीक्षा केंद्रों के आवंटन में गड़बड़ी होने का आरोप लगाते हुए परीक्षार्थियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद टीएनपीएससी ने यह निर्णय लिया।

चेन्नई के अरुंबाक्कम परीक्षा केंद्र में परीक्षार्थियों के लिए पंजीकरण नंबर उपलब्ध न होने के कारण भारी भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई। इससे नाराज परीक्षार्थियों ने विरोध प्रदर्शन किया। इसी तरह नंदनम परीक्षा केंद्र में भी सुबह 9 बजे के बाद तक प्रश्नपत्र नहीं पहुंचने की शिकायत सामने आई। साथ ही परीक्षार्थियों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दिए जाने के कारण उन्होंने वहां भी प्रदर्शन किया। इन घटनाओं को देखते हुए ग्रुप 2 और 2ए मुख्य परीक्षाओं को स्थगित करने की घोषणा की गई है। साथ ही यह भी बताया गया है कि स्थगित की गई टीएनपीएससी परीक्षाएं किसी अन्य तिथि पर आयोजित की जाएंगी।

अलग-अलग अभियानों में उग्रवादी संगठनों के तीन कैडर गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

राज्य में जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए इंटेलिजेंस आधारित कॉम्बिंग, घेराबंदी और तलाशी अभियान बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे हैं। मणिपुर पुलिस मुख्यालय की तरफ से आज जारी बयान के अनुसार शनिवार को सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय जबरन वसूली करने वाले कैडर, सगोलसेम जॉयचंद्र सिंह (47) उर्फ बुंगचा, जो काकवा मखा नामेइरकपम लीकाई का रहने वाला है, को इंफाल पूर्वी जिले के इरिलबंग थाना क्षेत्र के कोंगबा नंदेइबम लीकाई इलाके से गिरफ्तार किया गया।

उसके पास से एक मोबाइल फोन, 40 रुपये समेत एक बटुआ और एक आधार कार्ड बरामद किया गया। इसी दिन सुरक्षा बलों ने प्रीपाक के एक सक्रिय कैडर, सेराम मणिमतुम मीतेई उर्फ मणि (20) को गिरफ्तार किया गया। आरोपित इंफाल पश्चिम जिला के सेकमाई थानांतर्गत सेन्जम खुनौ मयाई लीकाई का रहने वाला है। उसे उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। वहीं, अन्य एक अभियान में सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिला के काकचिंग थानांतर्गत काकचिंग लमखाई इलाके से एक जबरन वसूली करने वाले केवाकेएल कैडर तखेलंबम मोहन सिंह (31) को गिरफ्तार किया गया। आरोपित काकचिंग जिला के पल्लेल मानिंग लीकाई का रहने वाला है। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि सुरक्षा बल जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और एरिया डोमिनेशन जारी रखे हुए हैं। इसी कड़ी में शनिवार को मणिपुर के अलग-अलग जिलों में, पहाड़ों और घाटी दोनों में, कुल 114 नाके/चेकपॉइंट लगाए गए, हालांकि किसी को हिरासत में नहीं लिया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर जरूरी सामान ले जा रहे 303 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। सभी संवेदनशील जगहों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है और वाहनों की सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील हिस्सों में सुरक्षा काफिला मुहैया कराया गया है।

फोटोः हि.स.

संक्षिप्त-समाचार

अवैध हथियार फैक्टरी का खुलासा, एक गिरफ्तार

रांची। रांची के अनगड़ा पुलिस ने अवैध हथियार फैक्टरी का खुलासा करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम नारायण लोहरा बताया गया है। इसके पास से देशी अवैध निर्मित हथियार 19 पीस, अर्ध निर्मित हथियार चार पीस सहित अन्य उपकरण बरामद किए गए हैं। रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर ने शनिवार को बताया कि एसएसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अनगड़ा थाना क्षेत्र के सीताडीह गांव में संचालित हो रही एक अवैध हथियार फैक्टरी का खुलासा किया है। इस छापेमारी में पुलिस ने भारी मात्रा में बने और अर्धनिर्मित हथियारों के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अनगड़ा के सीताडीह गांव में एक व्यक्ति अपने घर के भीतर अवैध रूप से हथियारों का निर्माण कर रहा है और उन्हें बाजार में खपाने की तैयारी में है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध ठिकाने पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस तब हैरान रह गई जब आरोपित के घर की तलाशी ली गई। आरोपित नारायण लोहरा ने पुलिस से बचने के लिए हथियारों को घर के पीछे बने शौचालय के नीचे छिपाकर रखा था। सघन तलाशी के बाद पुलिस ने वहां से हथियारों का जखीरा और उसे बनाने के उपकरण बरामद किए।

मुख्यमंत्री धामी ने खटीमा में लोगों की सुनी समस्याएं

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उधम सिंह नगर जनपद के खटीमा भ्रमण के दूसरे दिन रविवार को कैंप कार्यालय लोहियाहेड एवं हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और आम जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ग्राम भगचुरी पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय निवासी मलकीत सिंह राणा के निधन और वीरेंद्र मौर्य की माता सुन्दरी देवी (92) के निधन पर उनके आवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना की इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका खटीमा के अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, जिलाधिकारी ऊधम सिंह नगर नितिन सिंह भदौरिया, जिलाधिकारी चम्पावत मनीष कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी कौस्तूभ मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर, उप जिलाधिकारी तुषार सैनी सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में एक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी। नक्सलबाड़ी थाने की पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी की साजिश को नाकाम करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान संजय साहनी के रूप में हुई है, जो पानीटंकी इलाके का निवासी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शनिवार देर रात नक्सलबाड़ी राज्य सड़क पर मादक पदार्थ की डिलीवरी की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस इलाके में गश्त लगा रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध हालत में घूमते देख पुलिस को संदेह हुआ। पुलिस ने उसे रोका और तलाशी लेने पर उसके पास से 100 ग्राम ब्राउन शुगर और 15 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद की गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपित को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपित लंबे समय से मादक पदार्थ के कारोबार से जुड़ा हुआ है। इससे पहले आरोपित की पत्नी को भी मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। नक्सलबाड़ी थाने की पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कांग्रेस सांसद पर लगाया पाकिस्तानी लिंक का आरोप

एजेंसी (हि.स.)
गुवाहाटी

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई से जुड़े पाकिस्तान लिंक के आरोपों को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि किसी वर्तमान सांसद का नाम सामने आने से यह मामला सामान्य जांच से कहीं आगे निकल जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई से जुड़े आरोप राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब संसद का एक सदस्य, वह भी विपक्ष का वरिष्ठ नेता, ऐसे मामलों में नामजद होता है, तो इसकी गंभीरता कई गुना बढ़ जाती है। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा राजधानी दिसपुर के लोक सेवा भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मामले की शुरूआती जांच असम पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने की थी, जिसके बाद सीआईडी पुलिस थाने में औपचारिक मामला दर्ज किया गया। एसआईटी की रिपोर्ट पर विचार के बाद राज्य मंत्रिमंडल इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि मामले की प्रकृति और दायरा ऐसा है, जिसकी जांच किसी केंद्रीय एजेंसी से कराई जानी चाहिए। इसी के तहत केस को आगे की कार्रवाई के लिए गृह मंत्रालय को भेजने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय से सकारात्मक जवाब मिलने के बाद मामला औपचारिक रूप से केंद्र सरकार को सौंप दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पाकिस्तानी दूतावास यात्रा को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब वह स्वयं असम में निवेश आकर्षित करने के लिए सिंगापुर में थे, तभी एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें गोगोई युवाओं के एक समूह के साथ दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास जाते दिखाई दे रहे थे। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के अनुसार, उस समय भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित भी वहां मौजूद थे। उन्होंने स्वीकार किया कि शुरूआत में उन्हें यह तस्वीर फर्जी लगी, लेकिन बाद में कांग्रेस नेताओं द्वारा ही इसे सही ठहराए जाने के बाद जांच का दायरा बढ़ाया गया। राष्ट्रीय भावना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कारगिल युद्ध में शहीद हुए असम के कैप्टन जिन्टू गोगोई का उदाहरण दिया और कहा कि पाकिस्तान को लेकर देश की भावनाएं और राष्ट्रीय सुरक्षा पर रुख सभी को भली-भांति ज्ञात है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आलोचना करता रहा है, उसे कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान 13 बार भारत आने की अनुमति दी गई। उन्होंने दावा किया कि यह सभी यात्राएं उस समय हुईं, जब गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ गोगोई सत्ता तंत्र से जुड़े हुए थे। उन्होंने यह भी कहा कि 2014 के बाद केंद्र में सरकार बदलते ही शेख की भारत यात्राएं पूरी तरह बंद हो गईं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि एलिजाबेथ गोगोई ने वर्ष 2011 में अमेरिका से पाकिस्तान की यात्रा की थी और बाद में भारत स्थानांतरित हुईं, जबकि उनके पेशेवर संबंध अली तौकीर शेख से जुड़े रहे। मुख्यमंत्री के अनुसार, ये सभी तथ्य पारदर्शिता और राष्ट्रीय हित से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करते हैं, जिन पर कांग्रेस को जवाब देना चाहिए। एक और गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गौरव गोगोई ने 14 से 24 दिसंबर, 2013 के बीच पाकिस्तान की एक गोपनीय यात्रा की थी, जिसके दौरान वह डिजिटल रूप से पूरी तरह अनुपलब्ध रहे। सरमा ने कहा कि एक प्रथम बार सांसद द्वारा इस तरह की यात्रा और संभावित बातचीत को लेकर जनता के मन में स्वाभाविक रूप से सवाल उठते हैं।

फोटोः हि.स.

49 हजार की 'उठाईगिरी' का फरार दूसरा मुख्य आरोपित गिरफ्तार, 38 हजार व बाइक जब्त

एजेंसी (हि.स.)
बलरामपुर

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में भोले-भाले ग्रामीण कृषक को झांसे में लेकर दिनदहाड़े 49 हजार रुपये की ठगी करने वाले गिरोह पर राजपुर पुलिस ने करारा शिकंजा कसा है। पहले आरोपित की गिरफ्तारी के बाद अब फरार दूसरे मुख्य आरोपित को भी पुलिस ने धर दबोचा है। मामले में ठगी गई रकम में से कुल 38 हजार रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त कर दोनों आरोपितों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

बलरामपुर पुलिस से रविवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, राजपुर थाना क्षेत्र में धान बिक्री की रकम निकालकर घर लौट रहे एक ग्रामीण से ह्यउठाईगीरीह्ल कर फरार हुए दोनों आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के निर्देश पर की गई। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि घटना दिनांक 02 फरवरी 2026 को पीड़ित निबल साय अपने बेटे जेरोम के साथ सहकारी बैंक राजपुर धान बिक्री की राशि निकालने आया था। बैंक में ड्रॉवल फॉर्म भरने के बाद जेरोम अपने निजी काम से राजपुर चला गया, जबकि निबल साय बैंक के पास ही इंतजार करता रहा। नाम पुकारे जाने पर निबल साय को बैंक से कुल 49,000 रुपये नकद प्राप्त हुए। कुछ देर तक बेटे का इंतजार करने के बाद जब वह नहीं आया तो निबल साय अकेले पैदल अपने गांव डांड खड्डुआ की ओर मेन रोड से निकल पड़ा। इसी दौरान मोटरसाइकिल से आए दो अज्ञात व्यक्तियों ने रास्ते में उसे रोका, तंबाकू मांगा और बेटे का नाम पूछा।

फोटोः हि.स.

कांग्रेस ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में विजय सिंह सुम्बरूई और मो सलीम को किया निलंबित

एजेंसी (हि.स.)
पश्चिमी सिंहभूम

शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान पार्टी निदेर्शों की अवहेलना और अनुशासनहीनता के आरोप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने विजय सिंह सुम्बरूई और मो सलीम को पार्टी से रविवार को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई जिला कांग्रेस कमेटी पश्चिमी सिंहभूम की ओर से की गई है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रंजन बोयपाई की ओर से जारी पत्र के अनुसार, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने गत दो फरवरी को पत्र के माध्यम से निर्देश दिया था कि नगर निगम में महापौर पद और नगर परिषद में अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों का चयन जिला राजनीतिक मामलों की समिति की सहमति से किया जाएगा। पार्टी केवल सर्वसम्मत उम्मीदवारों का ही समर्थन करेगी।

इसके बाद पांच फरवरी को पत्र संख्या जारी कर निदेर्शों को दोहराया गया। इसमें स्पष्ट किया गया कि नामांकन वापसी की अंतिम तिथि छह फरवरी को अपराह्न तीन बजे तक निर्धारित है। जिन उम्मीदवारों को समिति का समर्थन प्राप्त नहीं है, उन्हें समय रहते नाम वापस लेने के लिए कहा गया था। साथ ही निदेर्शों की अवहेलना पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। इन निदेर्शों के अनुपालन में जिला कांग्रेस कमेटी पश्चिमी सिंहभूम ने छह फरवरी को विजय सिंह सुम्बरूई और मोसलीम को कारण बताओ नोटिस जारी कर निर्धारित समय सीमा में लिखित स्पष्टीकरण मांगा था। लेकिन दोनों की ओर से कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ। इसके बावजूद दोनों ने पार्टी के निदेर्शों की अवहेलना करते हुए अपनी गतिविधियां जारी रखीं। जिला कांग्रेस कमेटी के अनुसार, यदि कोई स्पष्टीकरण प्राप्त हुआ भी हो, तो वह पार्टी विरोधी गतिविधियों को उचित ठहराने में असफल रहा।

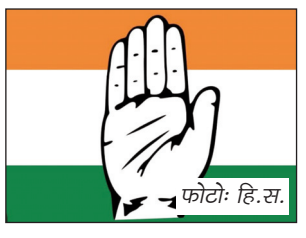
फोटोः हि.स.

इतिहास

भारत में नियमित जनगणना की शुरूआत 1871 से मानी जाती है

जब शुरू हुई आजाद भारत की पहली जनगणना

एजेंसी (हि.स.)

भारत में जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय तस्वीर समझने का एक बड़ा राष्ट्रीय अभियान है। हर दस वर्ष में होने वाली यह प्रक्रिया देश के कोने-कोने में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को इस राष्ट्रीय अभ्यास से जोड़ती है। भारत में नियमित जनगणना की शुरूआत 1871 से मानी जाती है और तब से लगभग हर दसवें वर्ष यह परंपरा जारी रही। आजादी से पहले तक हुई जनगणनाएं ब्रिटिश शासन के प्रशासनिक ढांचे के तहत होती थीं, लेकिन 1947 में देश के विभाजन और स्वतंत्रता के बाद हालात पूरी तरह बदल गए। 1951 की जनगणना कई मायनों में ऐतिहासिक थी। तकनीकी रूप से यह भारत की नौवीं जनगणना थी लेकिन स्वतंत्र भारत की यह पहली जनगणना थी। विभाजन के कारण देश की सीमाएं बदलीं, बड़े पैमाने पर आबादी का पलायन हुआ और धार्मिक आधार पर जनसंख्या का अनुपात भी बदला। ऐसे में 1951 की जनगणना ने नए भारत की वास्तविक जनसंख्या संरचना को दर्ज करने का काम किया। इस संदर्भ में 9 फरवरी का विशेष महत्व है। इसी दिन आजाद भारत की पहली जनगणना के लिए घर-घर जाकर सूची बनाने और विवरण जुटाने का काम शुरू हुआ था। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि नए राष्ट्र की पहचान गढ़ने की दिशा में अहम कदम था। तब से लेकर आज तक, जनगणना नीति निर्माण, संसाधनों के वितरण, विकास योजनाओं और सामाजिक अध्ययन का आधार बनी हुई है। जनगणना के आंकड़े ही बताते हैं कि देश कैसे बदल रहा है और भविष्य की योजनाएं किस दिशा में बननी चाहिए।

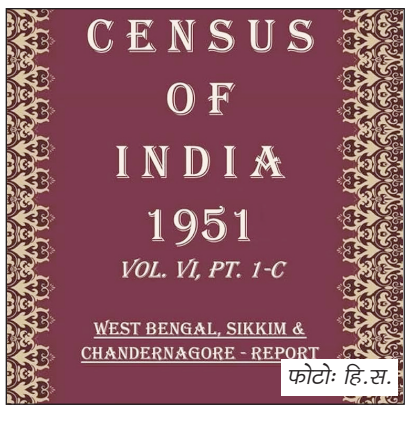

फोटोः हि.स.

जन्म

1911 - बाबूभाई पटेल - जनता पार्टी के राजनीतिज्ञों में से एक थे, जो गुजरात के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे। 1922 - सी. पी. कृष्णन नायर - भारत के प्रसिद्ध होटल उद्योगपति तथा 'होटल लीला समूह' के संस्थापक। 1929 - अब्दुल रहमान अंतुले - भारतीय राजनेता एवं महाराष्ट्र के 8वें मुख्यमंत्री। 1942 - राजकुमार जयचंद्र सिंह - मणिपुर के भूतपूर्व सातवें मुख्यमंत्री थे। 1945 - श्याम चरण गुप्ता - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ। 1964 - एकनाथ शिंदे - भारत के राजनीतिज्ञ और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री हैं। 1968 - राहुल रॉय - भारतीय फि ल्म अभिनेता। 1993 - परिमार्जन नेगी - भारतीय ग्रैंड मास्टर खिलाड़ी हैं।

निधन

1760 - दत्ताजी शिन्दे - मराठा सेनापति थे। 1981 - एम. सी. छागला - प्रसिद्ध भारतीय न्यायधीश, राजनयिक तथा कैबिनेट मंत्री थे 1899 - बालकृष्ण चापेकर - स्वतन्त्रता सेनानी थे। 1950 - सर अब्दुल कादिर - न्यायविद, पत्रकार और राजनीतिज्ञ थे। 1984 - टी. बालासरस्वती - 'भरतनाट्यम' की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना। 2006 - नादिरा - भारतीय फि ल्म अभिनेत्री। 2008 - बाबा आम्टे - विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता, मुख्यतः कुष्ठरोगियों की सेवा के लिए विख्यात। 2012 - ओ. पी. दत्ता - भारतीय निर्देशक, निमार्ता और पटकथा लेखक। 2016 - सुशील कोइराला - नेपाल के 37वें प्रधानमंत्री। 2018 - चंद्रशेखर रथ - ओडिशा के सुप्रसिद्ध कथाकार व साहित्यकार। 2020 - गिरिराज किशोर - हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यासकार, सशक्त कथाकार, नाटककार और आलोचक थे। 2020 - पी. परमेश्वरन - जनसंघ के पूर्व उपाध्यक्ष, दिग्गज लेखक, कवि और प्रसिद्ध संघ विचारक थे। 2021 - राजीव कपूर - फि ल्म अभिनेता, जो राज कपूर के पुत्र थे।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1667 - रूस और पोलैंड के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये गये। 1788 - आस्ट्रिया ने रूस के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। 1801 - फ्रांस और आस्ट्रिया ने लुनेविल्लै शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये। 1824 - उन्नीसवीं सदी के प्रसिद्ध बंगाली कवि और नाटककार माइकल मधुसूदन दत्ता ने ईसाई धर्म अपनाया। 1931 - भारत में पहली बार किसी व्यक्ति के सम्मान में चित्र समेत डाक टिकट जारी किया गया। 1941 - ब्रिटिश सेना ने लीबिया के तटीय शहर अल अघीला पर कब्जा किया। 1951 - स्वतंत्र भारत में पहली जनगणना करने के लिये सूची बनाने का कार्य शुरू किया गया। 1962 - अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया। 1973 - बीजू पटनायक उड़ीसा की राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता चुने गए। 1979 - अफ्रीकी देश नाइजीरिया में संविधान बदला गया। 1991 - लिथुआनिया में मतदाताओं ने स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए मतदान किया। 1999 - यूगांडा में एड्स के टीके 'अलवाक' का परीक्षण, भारतीय निर्देशक शेखर कपूर की फिल्म 'एलिजाबेथ' आस्कर पुरस्कार हेतु नामित। 2001 - शिवानतरा थाइलैंड के नए प्रधानमंत्री निर्वाचित, चीन-तिब्बत रेलामार्ग को मंजूरी, तालिबान का पाक से प्रत्यर्पण संधि से इंकार। 2002 - अफगानिस्तान की पूर्व तालिबान सरकार के विदेश मंत्री मुत्तवकील का आत्मसमर्पण। 2007 - पाकिस्तान की विपक्ष पार्टी जमायती उलेमा इस्लामी ने जिन्ना को स्वतंत्रता सेनानी की सूची से हटाया। 2008 - प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता व दीन-दुखियों के देवता बाबा आम्टे का निधन। 2008 - पाकिस्तान को अमेरिकी मद की समीक्षा के लिए सीनेट में एक प्रस्ताव पेश किया। 2009- सर्वोच्च न्यायालय ने ताज व उसके आसपास अवैध निर्माण पर यूपी सरकार को नोटिस दिया। 2010- भारत सरकार ने बीटी बैंगन की व्यावसायिक खेती पर अनिश्चित काल के लिए रोक लगाई। 2016 - जर्मनी के बवारिया प्रांत में दो ट्रेनों की टक्कर में 12 लोगों की मौत और 85 अन्य घायल।

सूर्यवंशी सहित तीन भारतीय अंडर-19 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम में

सूर्यवंशी के साथ कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल को 12 सदस्यीय टीम में जगह मिली

एजेंसी (हि.स.)

दुबई

युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को रविवार को आईसीसी की अंडर-19 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह मिली जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन की शानदार पारी खेलने के बाद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए 14 साल के सूर्यवंशी के अलावा टीम के उनके साथी कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल को भी 12 सदस्यीय टीम में जगह मिली। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता।

कनिष्क ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार महत्वपूर्ण योगदान दिया जबकि हेनिल के 11 विकेट में अमेरिका के खिलाफ 16 रन देकर पांच विकेट का शानदार स्पैल भी

फोटोः हि.स.

शामिल था।उप विजेता इंग्लैंड के भी तीन खिलाड़ी टीम में जगह बनाने में सफल रहे जिसमें थॉमस रेव को कप्तान और विकेटकीपर बनाया गया है। रेव ने 66 की औसत से 330 रन बनाए जिसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में मैच जिताने वाला शतक भी शामिल है। मैनी लुम्सडेन 16 विकेट के साथ टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे। बेन मायेस को भी टीम में जगह मिली जो स्कॉटलैंड के खिलाफ 191 रन की पारी सहित कुल 444 रन बनाकर टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर रहे। मायेस अंडर-19 पुरुष विश्व कप में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर के सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी करने से सिर्फ एक रन दूर थे जो चार दिन पहले श्रीलंका के विरान चामुदिथा ने बनाया था। विरान को भी टीम में चुना गया है। चामुदिथा ने जापान के खिलाफ 192 रन बनाए और अपनी इस पारी में 26 चौके और एक छक्का लगाया।

फैजल खान शिनोजादा और नूरीस्तानी उमरजाई की अफगानिस्तान की जोड़ी को भी टीम में चुना गया जिन्होंने अपने देश को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फैजल ने टूर्नामेंट में आयरलैंड और भारत के खिलाफ लगातार दो शतक लगाए जबकि नूरीस्तानी ने 14 विकेट लिए जिसमें तंजानिया के खिलाफ नौ रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

आईसीसी अंडर-19 पुरुष विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम

वैभव सूर्यवंशी (भारत), विरान चामुदिथा (श्रीलंका), फैजल खान शिनोजादा (अफगानिस्तान), थॉमस रेव (विकेटकीपर, कप्तान) (इंग्लैंड), ओलिवर पीक (ऑस्ट्रेलिया), बेन मायेस (इंग्लैंड), कनिष्क चौहान (भारत), नूरीस्तानी उमरजई (अफगानिस्तान), विटेल लावेस (वेस्टइंडीज), अली रजा (पाकिस्तान), मैनी लुम्सडेन (इंग्लैंड), हेनिल पटेल (भारत)।

वानखेड़े में आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मिले अमेरिका के राजदूत

क्रिकेट के तेज विस्तार पर चर्चा

एजेंसी (हि.स.)

मुंबई

टी20 विश्व कप 2026 के दौरान मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में भारत बनाम अमेरिका मुकाबले के बीच अमेरिका के भारत में राजदूत सर्जियो गोर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच अमेरिका में क्रिकेट के तेजी से बढ़ते दायरे और संभावनाओं पर चर्चा हुई। राजदूत गोर ने सोशल मीडिया मंच ह्वएक्सह्व पर पोस्ट करते हुए बताया कि मुलाकात सकारात्मक रही और अमेरिका में क्रिकेट के ह्वएक्सपोनेंशियल ग्रोथह्व पर बातचीत हुई। उन्होंने अमेरिका में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, उभरती प्रतिभाओं और बढ़ते फैन बेस का भी जिक्र किया।

इसी मैच के दौरान गोर ने उद्योगपति मुकेश अंबानी और नीता अंबानी से भी मुलाकात की और इसे सुखद बताया। मैदान पर खेले गए मुकाबले में भारत ने अमेरिका को 29 रन से हराया। कप्तान

फोटोः हि.स.

सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 84 रन की अहम पारी खेलकर टीम को 161/9 तक पहुंचाया। जवाब में अमेरिकी टीम 20 ओवर में 132/9 रन ही बना सकी।

गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट लेकर भारत की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट हासिल किए। सिराज को अंतिम समय पर टीम में शामिल किया गया था, क्योंकि ऑलराउंडर हर्षित राणा चोट के कारण बाहर हो गए थे। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बीमारी के चलते यह मैच नहीं खेल सके। डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरी भारतीय टीम पर इस बार भी खिताब बचाने का दबाव है। हालांकि पहले मैच में जीत से टीम ने सकारात्मक शुरूआत की है।

अमेरिका में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और आईसीसी नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय संवाद यह संकेत देते हैं कि खेल का वैश्विक विस्तार नई दिशा पकड़ रहा है।

मैनचेस्टर ने टोटेनहैम को हराया, कैरिक के मार्गदर्शन में लगातार चौथी जीत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

मैनचेस्टर

माइकल कैरिक के मार्गदर्शन में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्रीमियर लीग फुटबॉल में लगातार चौथी जीत हासिल की जिससे कुछ हफ्ते पहले मुश्किलों में नजर आ रही टीम अब काफी बेहतर स्थिति में दिख रही है।

शनिवार को यूनाइटेड ने टोटेनहम को 2-0 से हराकर मुख्य कोच के तौर पर कैरिक की शत प्रतिशत जीत का सिलसिला जारी रखा और पिछले दो वर्षों से चैंपियंस लीग से बाहर रहने के बाद वापसी की उम्मीदों को बढ़ाया। टीम अब 25 मैच में 44 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। आर्सेनल ने शीर्ष पर नौ अंक की बढ़त बना ली है। टीम ने स्थानापन्न खिलाड़ी विक्टर ग्योकेरेस के दो गोल से संडरलैंड के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। आर्सेनल के 25 मैच में 56 अंक हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी (24 मैच में 47 अंक) रविवार को लीवरपूल से खेलेगा जबकि तीसरे स्थान पर मौजूद एस्टन विला (25 मैच में 47 अंक) ने बोर्नमाउथ के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। चेल्सी ने कोल पाल्मर की हैट्रिक से आखिरी स्थान पर मौजूद वॉल्व्स के खिलाफ 3-1 की जीत दर्ज की।

हम हैरान थे क्योंकि मुंबई में विकेट आम तौर पर सपाट होते हैंः अक्षर पटेल

मुंबई। भारतीय उप कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि टीम अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में पिच की प्रकृति से हैरान थी क्योंकि आमतौर पर वानखेड़े स्टेडियम में काफी रन बनते हैं। मुश्किल पिच पर बल्लेबाजी क्रम के ध्वस्त होने के बावजूद अक्षर ने कहा कि टीम प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने को लेकर आश्वस्त थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 77 रन तक छह विकेट गंवा दिए थे लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की 49 गेंद में 84 रन की नाबाद पारी से मेजबान टीम नौ विकेट पर 161 रन बनाने में सफल रही। भारत ने अमेरिका को आठ विकेट पर 132 रन पर रोककर 29 रन से जीत दर्ज की। मैच के बाद अक्षर ने संवाददाताओं से कहा, योजना मैच की स्थिति के अनुसार बनाई जाती है। आम तौर पर मुंबई में विकेट सपाट होता है और हमें यह तय करने में लगभग तीन ओवर लगे कि अच्छा स्कोर क्या होगा। उन्होंने कहा, ड्रेसिंग रूम में हमें पता था कि अगर एक भी बल्लेबाज चल गया तो हम 140-150 रन के आसपास पहुंच जाएंगे। विकेट भी (अलग तरह से) व्यवहार कर रहा था। इस स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर ने कहा, हम हैरान थे क्योंकि हमें लगा था कि यह एक सपाट विकेट है जो आम तौर पर मुंबई में होता है।

स्पेन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में लवलीना बरगोहाईं ने जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी (हि.स.)

गुवाहाटी

भारत की स्टार मुक्केबाज और ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बरगोहाईं ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाया है। स्पेन में आयोजित एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पूरे टूर्नामेंट के दौरान लवलीना बरगोहाईं का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने विभिन्न देशों से आई अनुभवी और मजबूत प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाजों को लगातार पराजित करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। हर मुकाबले में उनकी तकनीक, आक्रामकता और रणनीतिक समझ साफ नजर आई, जिसने दर्शकों और विशेषज्ञों को प्रभावित किया। फाइनल मुकाबले में लवलीना ने आत्मविश्वास से भरा खेल दिखाते हुए निर्णायक जीत दर्ज की। उन्होंने पूरे मैच के दौरान

फोटोः हि.स.

नियंत्रण बनाए रखा और सटीक पंचों के जरिए प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा। निर्णायकों ने सर्वसम्मति से उन्हें विजेता घोषित किया, जिसके साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया।

लवलीना की इस जीत पर खेल जगत में खुशी की लहर है। भारतीय बॉक्सिंग संघ, खेल विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने उन्हें इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाइयां दी हैं। इसे भारतीय बॉक्सिंग के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण बताया जा रहा है, जो आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।

गौरतलब है कि लवलीना बरगोहाईं पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई उपलब्धियां हासिल कर चुकी हैं और उनकी यह ताजा सफलता भारतीय खेल इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय जोड़ती है। उनकी इस जीत से आने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों और ओलंपिक तैयारियों के लिए भी भारत की उम्मीदें और मजबूत हुई हैं।

मुझे पता था कि मुझे टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए कैसे तैयारी करनी हैः सिराज

एजेंसी (हि.स.)

मुंबई

फोटोः हि.स.

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि जून 2024 के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी पर वह सबसे छोटे प्रारूप के लिए अपनी तैयारी को लेकर साफ थे और अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में रणजी ट्रॉफी में फेंकी गई लाइन और लेंथ पर टिके रहना ही उनकी योजना थी।

सिराज शनिवार से शुरू हुए विश्व कप के लिए शुरूआत में भारत की योजनाओं का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने हालांकि टीम में वापसी की और एकादश में शामिल होकर वानखेड़े स्टेडियम में मेजबान टीम की 29 रन की जीत में 29 रन देकर तीन विकेट लिए। मैच के बाद सिराज ने संवाददाताओं से कहा, भावनाएं हमेशा होती हैं क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर जब आप विश्व कप में खेलते हैं तो एक पेशेवर के तौर और टूर्नामेंट के लिए सपना अलग होता है। उन्होंने कहा, मैं रणजी ट्रॉफी खेलकर आ रहा था इसलिए मेरी लाइन और लेंथ (अच्छी थी)... जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो नई गेंद को मारना आसान नहीं था और सही लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करना महत्वपूर्ण था और अगर आपको विकेट मिलते तो यह टीम के लिए अच्छा होता। तो यही योजना थी और मैं इसे लागू कर पाया और विकेट भी लिए। सिराज को चोटिल हर्षित राणा की जगह अंतिम लम्हों में टीम में शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगा था कि उन्हें तुरंत एकादश में जगह मिलेगी लेकिन रणजी ट्रॉफी में हैदराबाद की कप्तानी के अनुभव से मदद मिली। उन्होंने कहा, सबसे पहले तो मुझे नहीं पता था कि मैं खेलूंगा। मुझे बुलाए जाने पर खुशी हुई लेकिन मुझे सुबह पता चला कि मैं खेल रहा हूं इसलिए मैं थोड़ा और

स्वास्थ्य दर्पण

बच्चों के लिए कितना जरूरी है आउटडोर गेम्स, जानें खेलकूद का मेंटल हेल्थ पर प्रभाव

गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों ने मोबाइल गेम की लत के चलते उठाए गए आत्मघाती कदम ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस दुखद घटना ने डिजिटल दुनिया के उस डार्क साइड को उजागर किया है, जहां बच्चे बंद कमरों में मोबाइल स्क्रीन पर अधिक समय बिता रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, इस समस्या का सबसे प्रभावी समाधान 'आउटडोर गेम्स' है।

जब बच्चा घर से बाहर निकलकर मैदान में खेलता है, तो उसका न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी मजबूत होता है। खेल के दौरान शरीर में 'एंडोर्फिन' और 'सेरोटोनिन' जैसे हैप्पी हार्मोन्स का स्राव होता है, जो तनाव और अकेलेपन को कम करते हैं।साथ ही जब लोगों से मिलता-जुलता है तो मन में बैठी कुंठाएं भी दूर होती हैं।

आउटडोर गेम्स बच्चों को टीम वर्क, हार स्वीकार करना और वास्तविक सामाजिक संवाद सिखाते हैं, जो किसी भी मोबाइल गेम के 'वर्चुअल रिवॉर्ड्स' से कहीं अधिक मूल्यवान हैं। आज के दौर में बच्चों को मोबाइल की आभासी दुनिया से बाहर निकालकर मैदान की मिट्टी से जोड़ना उनकी मानसिक सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है।

तनाव और एंग्जायटी का प्राकृतिक उपचार

आउटडोर गेम्स बच्चों के लिए एक 'नेचुरल स्ट्रेस बूस्टर' की तरह काम करते हैं। जब बच्चे दौड़ते-भागते हैं, तो उनके मस्तिष्क में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है, जिससे एकाग्रता और याददाश्त में सुधार होता है। यह शारीरिक सक्रियता कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन्स के स्तर को कम करती है। मोबाइल गेम्स जहां बच्चों को चिड़चिड़ा और हिंसक बनाते हैं, वहीं आउटडोर खेल उन्हें धैर्य और मानसिक शांति प्रदान करते हैं, जिससे सुसाइडल टेंडेंसी जैसे नकारात्मक विचार दूर रहते हैं।

सामाजिक कौशल और टीम भावना का विकास

ऑनलाइन गेमिंग बच्चों को समाज से काटकर एक 'आइसोलेशन' यानी अकेलेपन में धकेल देती है। इसके विपरीत, फुटबॉल, क्रिकेट या कबड्डी जैसे खेल बच्चों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना सिखाते हैं। मैदान पर वे जीत का जश्न मनाना और हार से सीखना सीखते हैं। यह 'सोशल इंटरेक्शन' बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और उन्हें वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार करता है।

हड्डियों की मजबूती और गहरी नींद के फायदे

बाहर खेलने से बच्चों को पर्याप्त मात्रा में 'विटामिन-ऊ' मिलता है, जो हड्डियों के विकास और मजबूत इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी है। शारीरिक थकान के कारण बच्चों को रात में गहरी और प्राकृतिक नींद आती है। अच्छी नींद सीधे तौर पर बेहतर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी है। इसके विपरीत, देर रात तक मोबाइल पर गेम खेलने से बच्चों की स्लीप साइकिल बिगड़ जाती है, जो आगे चलकर डिप्रेशन और गंभीर मानसिक विकारों का कारण बनती है।

स्क्रीन टाइम घटाएं, स्पोर्ट्स टाइम बढ़ाएं

गाजियाबाद की घटना एक चेतावनी है कि हमें अपने बच्चों के हाथों से स्मार्टफोन के स्क्रिन टाइम को लिमिच करें और उन्हें आउटडोर गेम्स के लिए प्रेरित करें। माता-पिता को चाहिए कि वे स्वयं भी बच्चों के साथ मैदान में समय बिताएं। डिजिटल डिटॉक्स का सबसे सरल तरीका यही है कि बच्चों को वास्तविक खेलों का रोमांच महसूस कराया जाए। ध्यान रखें एक हेल्दी शरीर के भीतर ही एक स्वस्थ और मजबूत दिमाग निवास करता है, जो किसी भी बाहरी दबाव में टूटने के बजाय उससे लड़ना जानता है।

शरीर पर उभरी हर चीज फुंसी नहीं होती, समझें गांठ और सूजन के बीच का बारीक फर्क

अक्सर हम अपने शरीर की त्वचा पर कोई उभार या सूजन देखते हैं, तो उसे मामूली फुंसी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। मगर त्वचा पर उभरी हर आकृति एक जैसी नहीं होती है, इनके पीछे के कारण और खतरे बिल्कुल अलग हो सकते हैं। फुंसी आमतौर पर त्वचा के रोमछिद्रों में तेल और बैक्टीरिया के जमा होने से होती है, जबकि गांठ कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि या तरल पदार्थ से भरी थैली हो सकती है। वहीं, सूजन शरीर के किसी हिस्से में तरल पदार्थ के जमा होने या चोट के प्रति प्रतिरोधी तंत्र की प्रतिक्रिया होती है। लोग अक्सर गांठ को फुंसी समझने की गलती करते हैं, जिससे कई बार गंभीर बीमारियों का निदान समय पर नहीं हो पाता। त्वचा के इन बदलावों को गहराई से समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि एक तरफ जहां फुंसी कुछ दिनों में खुद ठीक हो सकती है, वहीं कुछ गांठें कैंसर जैसी गंभीर स्थिति का संकेत भी हो सकती हैं। ऐसे में आइए इस लेख में गांठ, सूजन और फूंसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

गांठ क्या है और इसे कैसे पहचानें

गांठ त्वचा के नीचे कोशिकाओं का एक समूह होती है जो सख्त या लचीली महसूस हो सकती है। लिपोमा जैसी चर्बी वाली गांठें आमतौर पर दर्द रहित होती हैं और छूने पर खिसकती हैं। लेकिन अगर कोई गांठ पत्थर जैसी सख्त हो, तेजी से बढ़ रही हो और उसका आकार अनियमित हो, तो यह खतरे का संकेत हो सकता है, ऐसी स्थिति में डॉक्टर से जरूर परामर्श लेनी चाहिए। गांठें अक्सर संक्रमण, बंद तेल ग्रंथियों या कभी-कभी अनुवांशिक कारणों से विकसित होती हैं।

सूजन के पीछे के मुख्य कारण

सूजन आमतौर पर किसी एक बिंदु पर केंद्रित होने के बजाय एक बड़े क्षेत्र को प्रभावित करती है। यह किसी चोट, एलर्जी, इन्फेक्शन या शरीर के आंतरिक अंगों (जैसे किडनी या हार्ट) में गड़बड़ी के कारण ऊतकों में तरल पदार्थ भरने से होती है। अगर सूजन के साथ लालिमा और तेज दर्द है, तो यह इन्फ्लेमेशन का संकेत है। सूजन अक्सर तब होती है जब शरीर किसी बाहरी हमले या आंतरिक क्षति से खुद को बचाने की कोशिश करता है।

फुंसी और फोड़े में क्या अंतर है?

फुंसी एक छोटा उभार है जिसमें अक्सर सफेद पस दिखाई देता है। यह मुख्य रूप से हार्मोनल बदलाव या साफ-सफाई की कमी से होती है। लेकिन जब संक्रमण गहरा हो जाता है, तो यह 'फोड़े' का रूप ले लेता है, जो काफी दर्दनाक होता है और बुखार भी ला सकता है। फुंसी को फोड़ना खतरनाक हो सकता है क्योंकि इससे बैक्टीरिया खून में फैल सकते हैं, जिससे संक्रमण बढ़ जाता है।

डॉक्टर से परामर्श कब जरूरी?

अगर आपकी गांठ का आकार तेजी से बदल रहा है, उसका रंग गहरा हो रहा है या उसमें लगातार दर्द और खून का रिसाव हो रहा है, तो बिना देरी किए डॉक्टर से मिलना चाहिए। 'बायोप्सी' या 'अल्ट्रासाउंड' के जरिए डॉक्टर यह पता लगाते हैं कि गांठ कैंसरकारी है या सामान्य। ध्यान रखें प्रारंभिक अवस्था में की गई जांच ही किसी भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम से बचने का सबसे सटीक और सुरक्षित तरीका है।

क्यासानूर वन रोग के लिए आईसीएमआर ने शुरू किया मानव ट्रायल, देशी और सुरक्षित वैक्सीन पर काम तेज

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने क्यासानूर वन रोग (केएफडी) यानी 'बंदर बुखार' के लिए सुधारित और प्रभावी वैक्सीन के मानव क्लिनिकल ट्रायल की शुरूआत कर दी है।

केएफडी क्या है

केएफडी, जिसे कैया सनूर फॉरेस्ट डिजीज भी कहा जाता है, पश्चिमी घाट के राज्यों कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, गोवा और महाराष्ट्र में पाया जाने वाला एक संक्रामक रोग है।

वैक्सीन विकास का काम

कर्नाटक सरकार के अनुरोध पर आईसीएमआर ने केएफडी वैक्सीन विकसित करने का काम शुरू किया। इसके तहत इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (आईआईएल) और आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाइरोलॉजी मिलकर दो खुराक वाली एडजुवेंटेड इनएक्टिवेटेड वैक्सीन तैयार कर रहे हैं, जिसे 28 दिन के अंतराल पर लगाया जाएगा।

पशु परीक्षण और फेज-1 ट्रायल सफल

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह वैक्सीन पहले ही विकसित हो चुकी है और पशु परीक्षण व टॉक्सिसिटी स्टडीज सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी हैं। GLP-ग्रेड वैक्सीन का निर्माण भी हो चुका है। अब केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की मंजूरी के बाद फेज-कमानव ट्रायल शुरू कर दिया गया है। मंत्रालय ने आगे कहा कि यदि फेज-I सफल रहा, तो अगले चरण के ट्रायल्स भी शुरू होंगे। वैक्सीन सुरक्षित और प्रभावी पाई जाने पर डीसीजीआई से औपचारिक मंजूरी मांगी जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह भी कहा कि केंद्र राज्य सरकारों को स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान में लगातार सहयोग देगा।

विकसित भारत के विजन को गति देने के लिए आयोजित 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस का एसडी कॉलेज में आगाज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब एकेडमी ऑफ साइंसेज, पटियाला के तत्वावधान में ह्लकटिंग-एज साइंस एंड टेक्नोलॉजीः एक विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनानाह्व थीम पर आयोजित तीन दिवसीय 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस का उद्घाटन शनिवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में हुआ। इस प्रतिष्ठित अकादमिक आयोजन में देशभर से एक हजार से अधिक वैज्ञानिक, शिक्षाविद, नीति-निमार्ता और युवा शोधार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया गया। पंजाब साइंस कांग्रेस के साथ-साथ कॉलेज परिसर में इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप फेस्ट का भी उद्घाटन किया गया, जिसमें वैज्ञानिक अनुसंधान, स्टार्ट-अप संस्कृति और युवाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस आयोजन को इंडिया नेशनल साइंस एकेडमी के चंडीगढ़ चैप्टर का भी सहयोग प्राप्त है।

कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने मंचासीन सभी विशिष्ट अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। मंच पर उपस्थित प्रमुख अतिथियों में पंजाब एकेडमी ऑफ साइंसेज के अध्यक्ष डॉ. तरलोक सिंह, पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के वाइस चांसलर प्रो. जगदीप सिंह, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला के वाइस-चांसलर प्रो. महावीर सिंह, शहीद भगत सिंह स्टेट यूनिवर्सिटी, फिरोजपुर के वाइस-चांसलर प्रो. सुरेश शर्मा, आईसीएमआर के मानद एमेरिटस वैज्ञानिक एवं इंडिया नेशनल साइंस एकेडमी के उपाध्यक्ष (आंतरिक मामले) डॉ. नरेंद्र के. मेहरा, शूलिनी यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो. पीके खोसला, पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलप्र प्रो.आरसी सोबती तथा आईसीएमआर के पूर्व महानिदेशक डॉ. एनके गांगुली शामिल रहे। इसके अतिरिक्त देश-विदेश से आए अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, शिक्षाविद एवं शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस संवाद, सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक सशक्त एवं गतिशील मंच है। यह आयोजन युवा वैज्ञानिकों और शोधार्थियों में नवोन्मेषी सोच तथा नीति-आधारित शोध को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अनुसंधान उत्कृष्टता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में जीजीडीएसडी कॉलेज की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। वहीं, पंजाब यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलर एवं वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ. आरसी सोबती ने कहा कि 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस नवाचार, अनुसंधान उत्कृष्टता और युवा नेतृत्व वाली वैज्ञानिक जिज्ञासा का उत्सव है। उन्होंने कहा कि शिक्षाविदों, नीति-निमार्ताओं और युवा वैज्ञानिकों को एक मंच पर लाकर यह आयोजन रचनात्मकता और अंतरविषयक सहयोग की संस्कृति को मजबूत कर रहा है, जो भारत को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पंजाब एकेडमी ऑफ साइंसेज, पटियाला की ओर से प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को विभिन्न सम्मान प्रदान किए गए। ऑनरेरी फैलो के रूप में पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के वाइस-चासंलर प्रो. जगदीप सिंह, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. दिनेश गोयल, प्रो. एचएस विर्क तथा प्रो. केके अग्रवाल को सम्मानित किया गया।

ऑथोर्पेडिक विभाग द्वारा टिबिया नेलिंग पर हैंड्स-ऑन सॉ बोन वर्कशॉप का सफल आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआईएमईआर के ऑथोर्पेडिक सर्जरी विभाग ने सफलतापूर्वक एक विशेष ₹टिबिया नेलिंग पर हैंड्स-ऑन सॉ बोन वर्कशॉप₹ का आयोजन किया। मेडट्रॉनिक ट्रेनिंग एकेडमी द्वारा समर्थित यह एकेडमिक कार्यक्रम विशेष रूप से जूनियर और सीनियर रेजिडेंट्स के लिए ट्रॉमा मैनेजमेंट में उनके सर्जिकल कौशल को बेहतर बनाने के लिए आयोजित किया गया था। वर्कशॉप में टिबियल फ्रैक्चर के लिए इंट्रामेडुलरी नेलिंग की बारीकियों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो ऑथोर्पेडिक ट्रॉमा सर्जरी में एक गोल्ड-स्टैंडर्ड प्रक्रिया है। यह सेशन रेजिडेंट्स के लिए अधिकतम भागीदारी और एकेडमिक लाभ सुनिश्चित करने के लिए मुफ्त में आयोजित किया गया था। कोर्स डायरेक्टर प्रो. विजय जी. गोनी, हेड ऑफ द डिपार्टमेंट ऑफ ऑथोर्पेडिक सर्जरी की देखरेख में, वर्कशॉप में एक इंटरैक्टिव करिकुलम था, जहाँ रेजिडेंट्स ने प्रो. पेबम सुदेश (कोर्स को-डायरेक्टर), डॉ. हिमांशु कनावत, डॉ. राजकुमार और डॉ. मोहक कटारिया के नेतृत्व में फैकल्टी के मार्गदर्शन में सॉ-बोन मॉडल पर सर्जिकल तकनीकों का अभ्यास किया। इस हैंड्स-ऑन तरीके से प्रशिक्षुओं को प्रदान किए गए नवीनतम इंस्ट्रूमेंटेशन और इम्प्लांट टेक्नोलॉजी से परिचित होने का मौका मिला। विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा, इस तरह की वर्कशॉप सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक सर्जिकल कौशल के बीच के अंतर को पाटने के लिए महत्वपूर्ण हैं।₹ ₹सॉ-बोन सेशन के इंटरैक्टिव स्वरूप ने हमारे रेजिडेंट्स को एक नियंत्रित, शैक्षिक माहौल में अपनी नेलिंग तकनीकों को बेहतर बनाने की अनुमति दी। विभाग ने घोषणा की कि यह वर्कशॉप एक नई एकेडमिक पहल का हिस्सा है। आगे बढ़ते हुए, विभाग अपने रेजिडेंट्स के लिए निरंतर कौशल विकास सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न ऑथोर्पेडिक उप-विशेषताओं को कवर करते हुए, हर दो महीने में कम से कम एक बार इसी तरह की हैंड्स-ऑन सर्जिकल कौशल वर्कशॉप आयोजित करने की योजना बना रहा है।

तहसीलदार मनप्रीत सिंह और फूलराज सिंह ने गांव झामपुर से बस को दिखाई हरी झंडी

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की लीडरशिप में, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी पर्व को समर्पित मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा स्कीम के तहत गांव झामपुर से एक बस को हरी झंडी दिखाई गई। इस बस को तहसीलदार - मनप्रीत सिंह और स्टेट अवार्डी और हल्का कोऑर्डिनेटर - फूलराज सिंह ने हरी झंडी दिखाई। हल्का कोऑर्डिनेटर और स्टेट अवार्डी - फूलराज सिंह ने कहा कि गुरुओं और पीरों की धरती पंजाब के लोगों को धार्मिक जगहों के दर्शन करवाने के लिए पंजाब सरकार की तरफ से एक खास पहल की गई है। फूलराज सिंह ने बताया कि विधायक मोहाली कुलवंत सिंह की कोशिशों और कुलवंत सिंह की देखरेख में इस स्कीम के तहत गांव झामपुर में कूपन के तहत 40 यात्रियों को चुना गया था। हलका कोऑर्डिनेटर-फूलराज सिंह ने बताया कि वे श्री दरबार साहिब और बागघा बॉर्डर वगैरह घूमकर मोहाली लौटेंगे और फिर यह बस अन्य 40 यात्रियों को लेकर दरबार साहिब अमृतसर के लिए रवाना होगी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा के लिए सिर्फ.50 साल या उससे ज्यादा उम्र के व्यक्ति ही रजिस्टर कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एक परिवार से सिर्फ. 1 सदस्य या एक परिवार से पति-पत्नी भी इस यात्रा के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रेशन के बाद श्रद्धालुओं का चुनाव गांव, मोहल्ला पोलिंग बूथ के आधार पर ड्रॉ के जरिए किया जाएगा।

सेक्टर-20 में आयोजित धर्म सम्मेलन में वक्ताओं ने सनातन मूल्यों, राष्ट्र और इतिहास पर रखे विचार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-20 में आयोजित धर्म सम्मेलन के अवसर पर आयोजित वैचारिक सत्र में विभिन्न वक्ताओं ने सनातन धर्म, राष्ट्र निर्माण, समाज सुधार और ऐतिहासिक चेतना पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मंजीत कौर, पूर्व प्राचार्य, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, चंडीगढ़ ने गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिहाड़े के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पंजाब के गौरवशाली इतिहास का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब का बलिदान मानवता, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा का अद्वितीय उदाहरण है।

इस अवसर पर नरेश, विभाग प्रचारक ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा और राष्ट्र के प्रति उसके योगदान को रेखांकित करते हुए समाज में एकता, सेवा और संस्कारों के महत्व पर बल दिया। तमन्ना शर्मा, हरियाणा व पंजाब प्रांत प्रचार प्रमुख एवं महिला समन्वय की प्रांत सह संयोजिका (पंजाब प्रांत) ने अपने संबोधन में संघ के पंच परिवर्तन विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और स्वावलंबन की आवश्यकता बताई। वहीं बाबा हरजीत सिंह रसूलपुर ने समाज से सनातन धर्म के मूल्यों पर चलने का आग्रह किया और युवाओं से अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का आह्वान किया। मठ मंदिर से वामन जी महाराज ने भी धर्म, संस्कार और सेवा के महत्व पर अपने विचार साझा किए। सम्मेलन का उद्देश्य सनातन धर्म से जुड़े विभिन्न मठों, मंदिरों, संप्रदायों एवं सामाजिक संगठनों को एक मंच पर लाकर एकता, भाईचारा, सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करना था। आयोजन में श्री चैतन्य गौड़ीय मठ सेक्टर-20, श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर सेक्टर-20, प्राचीन श्री गुगा माड़ी हनुमान मंदिर सेक्टर-20, प्राचीन भगवान वाल्मीकि आश्रम सेक्टर 20-सी, गुरुद्वारा सत्संग सभा सेक्टर 20-ए, श्री गुरु रविदास मंदिर सेक्टर 20-डी तथा आजाद ड्रामेटिक रामलीला कमेटी सेक्टर-20 सहित अनेक सनातन एवं सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता रही। सम्मेलन में सनातन परंपरा, सामाजिक उत्तरदायित्व, मानवीय मूल्य, पर्यावरण संरक्षण तथा समाज में सकारात्मक संवाद जैसे विषयों पर विचार व्यक्त किए गए।आयोजन समिति ने बताया कि इस बार सम्मेलन को पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ा गया था। कार्यक्रम में प्लास्टिक का प्रयोग नहीं किया गया तथा प्रचार सामग्री पर्यावरण-अनुकूल माध्यमों से तैयार की गई थी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हजारों श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

भगवान की भक्ति ही हमारी आत्मा की खुराक है : रसिक संत चित्र-विचित्र महाराज

चंडीगढ़। शिव महापुराण भक्तमाल कथा में आज वृंदावन से पधारे रसिक संत चित्र-विचित्र महाराज ने बताया कि भगवान जड़ से लेकर चेतन तक सबके होते हैं। मेला ग्राउंड, सेक्टर 34 में कथा के पहले दिन कथा को श्रवण करने आए श्रद्धालुओं को बताया कि भगवान की भक्ति ही हमारी आत्मा की खुराक है। प्रत्येक जीव का उद्देश्य भगवान को प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि संसार में आने पर जीव भूल बैठा है कि उसका जन्म किस उद्देश्य को लेकर हुआ है। भक्तों की स्थिति ऐसी है जैसे कीचड़ में कमल रहता है। उसी तरह वैष्णव जन इस संसार के भौतिक लोगों के साथ रहते हुए भी प्रभाव से परे रहते हैं। भक्त संकट में हमेशा खुश रहते हैं। वह कभी निराश नहीं होते। भगवान भी अपने भक्त की परीक्षा लेते हैं। और कष्ट होने पर भगवान को ज्यादा से ज्यादा याद किया जाता है। भक्त के जीवन का सबसे बड़ा कष्ट ही ये है कि भगवान को न भूल जाए। इसी तरह भगवान की परीक्षा में पास होकर प्रभु को भक्त प्राप्त कर लेता है। सतगुरु भक्त को भगवान से मिलाते हैं।

सेक्टर 35 आरडब्ल्यूए की बैठक में पार्षद प्रेमलता ने दिया विकास कार्य पूरे करने का भरोसा

चंडीगढ़। सेक्टर 35 के कम्युनिटी सेंटर में आज रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित बैठक में निवासियों की भारी भीड़ उमड़ी। क्षेत्र की पार्षद प्रेमलता इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहीं सभा की शुरूआत आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष अमरजीत सिंह सीबिया ने स्वागत भाषण के साथ की। उन्होंने मुख्य अतिथि और सभी निवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास और सौहार्दपूर्ण माहौल के लिए इस तरह की सभाएं अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम में निवासियों ने सेक्टर की सड़कों, सफाई व्यवस्था, पार्कों और सुरक्षा से संबंधित विभिन्न सुझाव साझा किए। उन्होंने पार्षद प्रेमलता के निरंतर सहयोग और सक्रिय भूमिका की सराहना की। इस अवसर पर पार्षद प्रेमलता ने निवासियों को आश्वासन दिया कि सेक्टर की सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की री-कार्पेटिंग का कार्य शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा तथासांसद निधि के माध्यम से सेक्टर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।सभा के बाद एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें गीत, नृत्य और तंबोला जैसी मनोरंजक प्रस्तुतियों ने माहौल को उल्लासमय बना दिया। कार्यक्रम के उपरांत सभी ने सामूहिक लंच का आनंद लिया और आपसी भाईचारे के साथ सभा का समापन हुआ। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अमरजीत सिंह सीबिया, गुरसेवक सिंह, एसएस तुंग, राजेश राय, पुरषोत्तम सिंह, जीएस धालीवाल, सेवा सिंह, पूनम, आरके गर्ग, मनजीत सिंह, सुमन और निशा सहित अनेक गणमान्य निवासी उपस्थित रहे।

मातृशक्ति उद्यमिता योजना से महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर: उपायुक्त सतपाल शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को बैंकों के माध्यम से मिलेगी 5 लाख रुपये तक की ऋण सुविधा

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा मातृशक्ति उद्यमिता योजना के अंतर्गत महिला विकास निगम के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से बैंकों के माध्यम से 5 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाई जा रही है। इस वर्ष जिला पंचकूला के लिए 40 मामलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि जिन महिलाओं की पारिवारिक वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम है, जो हरियाणा की निवासी महिला उद्यमी हैं तथा ऋण के लिए आवेदन के समय जिनकी आयु 18 से 60 वर्ष के बीच है, वे इस योजना के लिए पात्र होंगी। आवेदक पूर्व में लिए गए किसी भी ऋण का डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के अंतर्गत समय पर किस्तों का भुगतान करने पर 3 वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा प्रदान की जाएगी।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत डेयरी, उद्योग विभाग की सूची में शामिल नकारात्मक गतिविधियों तथा केवीआईबी को छोड़कर अन्य सभी गतिविधियाँ शामिल हैं। इन गतिविधियों में यातायात वाहन के अंतर्गत ऑटो रिक्शा, छोटे सामान ढोने के वाहन, थ्री-व्हीलर, ई-रिक्शा, टैक्सी तथा सामाजिक एवं व्यक्तिगत सेवा गतिविधियों के अंतर्गत सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, फोटो कॉपी की दुकान, पापड़ व आचार बनाना, हलवाई की दुकान, फूड स्टॉल, आइसक्रीम बनाने की यूनिट, बिस्कुट निर्माण, हैंडलूम, बैग निर्माण, कैंटीन सर्विस आदि शामिल हैं, जिनके माध्यम से महिलाएँ अपना स्वयं का कार्य शुरू कर सकती हैं।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित दस्तावेज आवेदन के साथ जमा करवाने होंगे। इन दस्तावेजों में आवेदन पत्र, राशन कार्ड/परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट आकार के फोटो, निवास प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट तथा प्रशिक्षण प्रमाण पत्र/अनुभव प्रमाण पत्र शामिल हैं। अधिक जानकारी के लिए निगम के कार्यालय, जिला प्रबंधक, हरियाणा महिला विकास निगम, कमरा नं. 52, तीसरी मंजिल, नई बिल्डिंग, मिनी सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला दूरभाष नंबरः 0172-2585271 पर संपर्क किया जा सकता है।

एक शाम, धरम जी के नाम का आयोजन किया गया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सुरसरगम कला मंच, चण्डीगढ़ द्वारा महान अभिनेता धर्मेन्द्र की याद में श्रद्धांजलि के तौर पर एक संगीत संध्या एक शाम, धरम जी के नाम का आयोजन गवर्नमेंट आर्ट्स गैलरी, सैक्टर 10 में किया गया। इस कार्यक्रम में धर्मेन्द्र की याद में सबसे पहले 2 मिनट का मौन रखा गया। उसके बाद धर्मेन्द्र पर फिल्माये गये गीतों से उन्हें याद किया गया और बीच-बीच में क्विज मास्टर किशोर कुमार शर्मा द्वारा धर्मेन्द्र से सम्बंधित सवाल जवाब भी किए गए और हर सही उत्तर पर इनाम भी दिए गए। गीतों के इलावा इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण धर्मेन्द्र की फिल्में से दिखाए गए चुनिंदा सीन रहे। इस कार्यक्रम में पांच बेटियों को विशेष पुरस्कार भी दिए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डेरा बस्सी के समाजसेवी गुरदर्शन सिंह सैनी मौजूद रहे और भाजपा के मोहाली क्षेत्र के उपाध्यक्ष अनुज अग्रवाल एवं यादगार-ए-रफी सोसाईटी के अध्यक्ष बीडी शर्मा विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ भारत भूषण शर्मा एवं क्विज मास्टर किशोर कुमार शर्मा द्वारा बड़े ही सधे हुए मनोरंजक ढंग से किया गया।

भविष्य के लीडर्स का निर्माण: पीजीआईएमईआर ने हॉस्पिटल इंजीनियर्स को लीडरशिप और मैनेजमेंट में ट्रेनिंग दी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के कम्युनिटी मेडिसिन डिपार्टमेंट और स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ ने 7 फरवरी, 2027 को हॉस्पिटल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के इंजीनियरिंग अधिकारियों के लिए अपनी तरह का पहला ₹लीडरशिप और मैनेजमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम₹ आयोजित किया। यह डॉक्टरों के लिए संस्थान की चल रही लीडरशिप ट्रेनिंग सीरीज का ही एक हिस्सा है, जिसका मकसद इंजीनियर्स को महत्वपूर्ण हेल्थकेयर लीडर्स के रूप में स्थापित करना है। यह प्रोग्राम पीजीआईएमईआर के डायरेक्टर प्रो. विवेक लाल के प्रेरणादायक नेतृत्व और कम्युनिटी मेडिसिन डिपार्टमेंट और स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के हेड और इंजीनियरिंग के इंचार्ज प्रो. अरुण के. अग्रवाल के मार्गदर्शन में तैयार किया गया था और इसका निर्देशन कम्युनिटी मेडिसिन डिपार्टमेंट और स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के प्रोफेसर प्रो. सोनू गोयल ने किया। प्रो. गोयल, जिन्होंने विदेश मंत्रालय की इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन स्कीम के तहत फ्लैगशिप प्रोग्राम इंटरनेशनल पब्लिक हेल्थ मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के माध्यम से पीजीआईएमईआर का प्रतिनिधित्व किया है, उन्होंने 2017 से 96 देशों के 1,600 से ज्यादा प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग दी है। प्रो. अग्रवाल ने बताया कि आज की हेल्थकेयर लीडरशिप कैसे सोच में बदलाव और रणनीतिक प्रभाव पर केंद्रित है, उन्होंने कहा, ₹इंजीनियर्स हमारे अस्पतालों की नींव हैं; उन्हें लीडरशिप के टूल्स से लैस करने से इंफ्रास्ट्रक्चर की बाधाएं व्यापक उत्कृष्टता के रास्ते में बदल जाती हैं। लेफ्टिनेंट कर्नल गुरविंदर सिंह भट्टी, सुपरिटेंडिंग हॉस्पिटल इंजीनियर, ने कहा कि लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम ने टीम वर्क के माध्यम से रूटीन मैनेजमेंट से आगे बढ़कर प्रभावी हॉस्पिटल इंजीनियरिंग की ओर बढ़ने के लिए मूल्यवान जानकारी दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये टूल्स उनकी इंजीनियरिंग टीम को मजबूत करेंगे, मिलकर समस्या-समाधान को बढ़ावा देंगे और ऑपरेशनल दक्षता में सुधार करेंगे।समर्पित सत्रों में टीम बिल्डिंग और लीडरशिप स्टाइल पर ध्यान केंद्रित किया गया। वास्तविक दुनिया के केस स्टडी, रोल प्ले, ग्रुप टास्क और इंटरैक्टिव गेम्स के माध्यम से, हॉस्पिटल इंजीनियर, जूनियर इंजीनियर, हेड क्लर्क, डिवीजनल अकाउंट्स स्टाफ और ड्राफ्ट्समैन सहित 30 इंजीनियरों ने ट्रेनिंग में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने अस्पताल की चुनौतियों से निपटने और हेल्थकेयर में प्रगति के लिए इन कौशलों का उपयोग करने के लिए नवीन रणनीतियों पर विचार-मंथन किया।

क्षमता-निर्माण कार्यक्रम में तीन महीने की अवधि में दी जाने वाली तीन क्रमिक ट्रेनिंग शामिल हैं, जिसमें इंजीनियर संस्थान के लिए विजन, मिशन और रणनीतियों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जिसके बाद रोगी देखभाल में सुधार के लिए समयबद्ध कार्य योजना विकसित की जाएगी।

हल्लोमाजरा में सीवरेज व सफाई व्यवस्था को लेकर त्वरित प्रशासनिक कार्रवाई : सीवरेज मेंटेनेंस बूथ शुरू किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

वार्ड नंबर 20 के अंतर्गत आते हल्लोमाजरा में सीवरेज एवं सफाई व्यवस्था से जुड़ी लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को लेकर स्थानीय सोशल वर्कर अरविंद सिंह द्वारा गत रोज चण्डीगढ़ नगर निगम के कमिश्नर, जॉइंट कमिश्नर एवं चीफ अधिकारी को व्हाट्सएप के माध्यम से शिकायत दर्ज करवाई गई थी।

उच्च अधिकारियों के निर्देश प्राप्त होते ही सीवरेज विभाग के एसडीओ द्वारा अरविंद सिंह के साथ तुरंत संपर्क किया गया। इसके पश्चात एक्शन अधिकारी से भी विस्तारपूर्वक बातचीत हुई। आगे की कार्रवाई को प्रभावी बनाने के लिए संबंधित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़कर लगातार फॉलो-अप किया गया। इन निरंतर प्रयासों के सकारात्मक परिणामस्वरूप विभागीय टीम द्वारा मौके पर निरीक्षण एवं क्षेत्र का दौरा किया गया। इसी क्रम में यहाँ स्थित पुरानी धर्मशाला के अंदर सीवरेज मेंटेनेंस बूथ विधिवत शुरू कर दिया गया।

इस अवसर पर एरिया काउंसलर गुरचरण सिंह, एसडीओ अंग्रेज, जेई गुरप्रीत सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौके पर उपस्थित रहे। अरविन्द सिंह ने उम्मीद जताई कि इस सीवरेज मेंटेनेंस बूथ के शुरू होने से क्षेत्र में सीवरेज, सफाई एवं जलनिकासी से जुड़ी शिकायतों का समाधान अब तेज, प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से किया जा सकेगा। यह सुविधा फिलहाल पूरी तरह कार्यरत है और क्षेत्रवासियों के हित में एक सराहनीय एवं दूरदर्शी पहल मानी जा रही है।

स्थानीय निवासियों ने इस कदम का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें और प्रशासन का पूरा सहयोग करें।